R
सिवनी

शब्दबाणों का प्रहार

राष्ट्रबाण

संपादकः संजय बघेल

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

शनिवार 5 जुलाई 2025 • वर्ष : 10 • अंक : 91 • पृष्ठ : 08 • मूल्य : 5.00 रुपए

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

केरल के 3 जिलों में निपाह वायरस के दो संदिग्ध मामले

चेन्नई। केरल के स्वास्थ्य विभाग ने 3 जिलों में निपाह वायरस को लेकर अलर्ट जारी किया है। क्योंकि यहां निपाह वायरल के दो संदिग्ध मामले सामने आए हैं। जिलों में कोझीकोड, मलप्पुरम और पलक्कड़ शामिल हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा- निपाह के संदिग्ध मामले पलक्कड़ और मलप्पुरम जिलों से हैं। मलप्पुरम और कोझीकोड मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में टेस्टिंग की गई थी, इसमें वायरल का पता चला है।

दिल्ली पलिस ने चोरी के मोबाइल ठिकाने लगाने वाली गैंग पकड़ी

नईदिल्ली। दिल्ली पुलिस ने चोरी के हाई-एंड मोबाइल फोन खरीदने और नष्ट करने वाली गैंग को पकड़ा है। इसके पास से 44 मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनमें से 43 Iphone और एक सैमसंग फोल्ड फोन शामिल है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों के नाम नवदीप कौर (26) और रमनदीप भंगू (33) हैं। दोनों शुरुआत में मोबाइल रिपेयर का काम करते थे, लेकिन बाद में क्राइम में शामिल हो गए। नवदीप कौर पंजाब के भटिंडा में मोबाइल रिपेयर टेक्नीशियन है। वो चोरी के मोबाइल फोन प्राप्त के पार्ट्स ग्रे मार्केट में बेचा करती थी।

समृद्धि हाईवे पर एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

वाशिम। महाराष्ट्र के वाशिम जिले में समृद्धि हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। हादसा वनोजा और करंजा के बीच गुरुवार रात में हुआ, जब पुणे से नागपुर लौट रही कार डिवाइडर से टकरा गई। कार में सवार जैसवाल परिवार पुणे में नामकरण समारोह में शामिल होकर उमरेड लौट रहा था। ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में वैदही जायसवाल और संगीता जायसवाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि माधुरी जायसवाल और राधेश्याम जायसवाल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

फरारी मालिक ने रोड टैक्स नहीं भरा, 1.42 करोड़ रुपए चुकाने पड़े

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एक फरारी कार मालिक को 1.42 करोड़ रुपए रोड टैक्स के तौर पर भरने पड़े क्योंकि उसने कर्नाटक में टैक्स दिए बिना कार चला रखी थी। यह कार लाल रंग की फरारी स्स्न90 थी, जिसकी कीमत करीब 7.5 करोड़ रुपए है। कार महाराष्ट्र में रजिस्टर्ड थी, लेकिन बेंगलुरु की सड़कों पर घूम रही थी। गुरुवार सुबह आरटीओ (परिवहन विभाग) ने कार को रोका और जांच की।

मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद विवादित ढांचा नहीं

• इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका खारिज की, वकील बोले- सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

प्रयागराज/ मथुरा। एजेंसी

मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित करने की मांग वाली याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। हिंदू पक्ष की याचिका पर 23 मई को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कोर्ट ने कहा कि मूल वाद चल रहा है। हाईकोर्ट में ट्रायल चल रहा है। ऐसे में एक एप्लिकेशन पर विवादित ढांचा घोषित करने का कोई औचित्य नहीं। फिर जो मूल वाद है, उस पर असर पड़ेगा। मूल वाद ही इससे से जुड़ा है, इसलिए विवादित ढांचा का फैसला नहीं दिया जा सकता। वहीं, हिंदू पक्ष के वकील महेंद्र प्रताप ने इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाने की बात कही है।

दरअसल, 5 मार्च को हिंदू पक्ष के वकील महेंद्र प्रताप सिंह ने विवादित ढांचा घोषित करने को लेकर याचिका दाखिल की थी। कोर्ट से कहा था कि मस्जिद के पास जमीन के कागज नहीं हैं, इन्होंने अतिक्रमण कर रखा है। इसे मस्जिद क्यों कहा जाए? इसलिए मस्जिद को भी विवादित ढांचा घोषित किया जाए।

इसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति दाखिल की थी। कहा था- हिंदू पक्ष की मांग सरासर गलत है। इस मामले में जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की सिंगल बेंच में अब तक चार बार सुनवाई हो चुकी है। इस याचिका के अलावा, हिंदू पक्ष की 18 अन्य याचिकाओं पर भी हाईकोर्ट में सुनवाई अलग से चल रही है।

हिंदू पक्ष का दावा- मस्जिद की जगह पहले मंदिर था

हिंदू पक्ष ने याचिका में कहा था- शाही ईदगाह की जगह पहले मंदिर था। वहां पर मस्जिद होने का कोई भी साक्ष्य आज तक मुस्लिम पक्ष कोर्ट में पेश नहीं कर सका। जिसे मस्जिद कहा जा रहा है, उस की दीवारों पर हिंदू देवी देवताओं के प्रतीक चिह्न मौजूद हैं। किसी की जमीन पर अतिक्रमण करके बैठ जाने से, वह जमीन उसकी नहीं हो जाती है। न ही जमीन से जुड़ी खसरा-खतौनी में मस्जिद का नाम है। न नगर निगम में कोई रिकॉर्ड है और न ही टैक्स दिया जा रहा है। यहां तक की बिजली चोरी की रिपोर्ट भी शाही ईदगाह प्रबंध कमेटी के खिलाफ हो चुकी है। फिर इसे मस्जिद क्यों कहा जाए? जो प्रकरण अयोध्या में राम मंदिर और बाबरी मस्जिद का था। ठीक वही मामला मथुरा में भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि का है। कोर्ट ने अयोध्या मामले में अपना निर्णय देने से पहले बाबरी मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित किया था, इसलिए मस्जिद को भी विवादित ढांचा घोषित किया जाए।

400 सालों से यह शाही ईदगाहः मुस्लिम पक्ष

मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति में कहा था- हिंदू पक्ष की मांग सरासर गलत है। 400 सालों से यह शाही ईदगाह है, इसलिए इसे विवादित ढांचा घोषित करने की मांग कठोर दंड के साथ खारिज किया जाना चाहिए।

अमरनाथ यात्राः 12,348 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, तीसरा जत्था रवाना

6400 यात्रियों का तीसरा जत्था रवाना, अब तक 3.5 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन ; एक की मौत

पहलगाम। एजेंसी

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई। पहले दिन शाम 7.15 बजे तक 12,348 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए। इनमें 9,181 पुरुष और 2,223 महिलाएं शामिल रहीं। 99 बच्चे, 122 साधु, 7 साध्वी, 708 सुरक्षाबलों के जवान और 8 ट्रांसजेंडर श्रद्धालु भी दर्शन के लिए पहुंचे। कड़ी सुरक्षा के बीच 5200 से ज्यादा तीर्थयात्रियों का दूसरा जत्था 3 जुलाई की शाम जम्मू के भगवतीनगर बेस कैंप से रवाना हुआ, जो शुक्रवार दोपहर 2 बजे पहलगाम बेस कैंप पहुंच गया। 6400 यात्रियों को लेकर तीसरा जत्था आज सुबह सुबह 4 बजे अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुआ।

वहीं, आज यूपी से आए यात्री की मौत हो गई। लखीमपुर खीरी के रहने वाले दिलीप श्रीवास्तव शेषनाग बेस कैंप में अचानक बेहोश हो गए थे। उन्हें तुरंत ही शषनाग बेस कैंप अस्पताल ले जाया गया था। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से होगी। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे।

इस साल अब तक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। तुरंत रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। ये सेंटर रोज दो हजार श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं।

गलती से गोली चली, पुलिसकर्मी घायल अनंतनाग जिले में अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी से खुद की सर्विस राइफल से गलती से फायर हो गया। अधिकारियों ने बताया कि कांस्टेबल शब्बीर अहमद को पहलगाम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमरनाथ यात्रा मार्ग पर क्या-क्या

यात्रा पर आए श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 581 अलग-अलग सुरक्षा कंपनियों का चाक-चौबंद बंदोबस्त किया गया है। इसमें सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी, आईबीटीपी और सीआईएसएफ समेत सुरक्षा बलों के जवान तैनात किए गए हैं। बालटाल से लेकर गुफा तक के मार्ग पर हर दो किलोमीटर पर मेडिकल कैंप लगाए हैं। बीच में कई जगहों पर गोदाम भी चालू कर दिए गए हैं। इस साल गुफा की ओर जाने वाले रास्ते पर चार स्टैंड बनाए गए हैं, जबकि पैदल, घोड़े पर और पालकी में जाने वाले श्रद्धालुओं के रास्ते भी अलग-अलग बनाए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए हर 50 मीटर पर एक जवान तैनात है।

मराठी के नाम पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं : फडणवीस

थप्पड़ कांड पर सीएम ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई, एजेंसी।

पिछले दिनों महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कथित तौर पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा एक फूड स्टॉल के मालिक को मराठी में बात नहीं करने पर पीटने के मामले में अब राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एमएनएस कार्यकर्ताओं द्वारा दुकानदार की पिटाई की घटना पर दो टूक कहा कि ऐसी घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मराठी का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन मराठी की आड़ में गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बता दें कि मुंबई के पास मीरा रोड में फूड स्टॉल चलाने वाले 48 वर्षीय दुकानदार बाबूलाल चौधरी पर राज ठाकरे की स्न्हस के सात कार्यकर्ताओं ने मराठी नहीं बोलने पर हमला कर दिया। चौधरी की पिटाई करते हुए स्न्हस कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर चेतावनी दी कि अगर उसे इस क्षेत्र में व्यापार करना है तो मराठी बोलना होगा वरना दुकान चलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

हुड़दंगियों को एमएनएस का साथ

राज ठाकरे की पार्टी एमएनएस इस मामले में अपने कार्यकर्ताओं का साथ दे रही है और दावा किया कि दुकानदार ने मराठी का अपमान किया तभी उसके साथ उसके कार्यकर्ता सख्ती से पेश आए। दूसरी तरफ, स्न्हस कार्यकर्ताओं की हरकतों का महाराष्ट्र के जूनियर गृह मंत्री योगेश कदम ने भी अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन किया है, जिन्होंने कहा कि मराठी का अपमान करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

'ऑपरेशन सिंदूर में 3 दुश्मनों से लड़े'

डिप्टी आर्मी चीफ बोले : पाकिस्तान को चीन ने हथियार और लाइव डेटा दिया, तुर्किए ने ड्रोन मुहैया कराए

नई दिल्ली। एजेंसी

डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त बॉर्डर एक और दुश्मन तीन थे। पाकिस्तान मोर्चे पर था। चीन और तुर्किए हथियार और बाकी दूसरे सपोर्ट मुहैया करा रहे थे।

उन्होंने बताया, चीन ने पाकिस्तान को हथियार दिए और हमें हथियारों की टेस्टिंग के लिए लैब की तरह इस्तेमाल किया। चीन हमारे हर रणनीतिक कदम की लाइव अपडेट पाकिस्तान के साथ शेयर कर रहा था। तुर्किये ने बैरेक्टर समेत दूसरे ड्रोन दिए। इनका इस्तेमाल हमारे खिलाफ भी किया गया। लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने यह बात नई दिल्ली में फिक्की के न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीस इवेंट में बताई। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमें कई महत्वपूर्ण सबक सिखाए। यह एक ऐसा संघर्ष था, जिसने मॉडर्न वॉरफेयर की कठिनाइयों को उजागर किया। इसलिए अब हमें और मजबूत एयर डिफेंस चाहिए।

पिछले युद्धों की तरह दर्द बर्दाश्त नहीं कर सकते थेः लेफ्टिनेंट जनरल

लीडरशिप का संदेश साफ था। जिस तरह से हमने कुछ साल पहले बर्दाश्त किया, उस तरह से दर्द को सहने की कोई गुंजाइश नहीं थी। टारगेट की प्लानिंग और सिलेक्शन बहुत सारे डेटा पर बेस्ड था। इसलिए कुल 21 टारगेट की पहचान की गई, जिनमें से 9 को निशाना बनाना समझदारी समझी गई। लास्ट मोमेंट पर इन नौ लक्ष्यों पर निशाना लगाने का फैसला लिया गया। पूरे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एयर डिफेंस और उसका ऑपरेशन कैसे हुआ, यह बेहद अहम था।

अहमदाबाद प्लेन हादसा, आरोप-एयरलाइन मुआवजा देने से बच रही

नई दिल्ली/लंदन। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले यात्रियों के परिजन को एअर इंडिया मुआवजा देने से बचना चाहती है। यह आरोप 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लड़ने वाली ब्रिटेन की कानूनी फर्म स्टीवर्ट्स ने लगाए हैं। स्टीवर्ट्स 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लड़ रही है। फर्म के एडवोकेट पीटर नीनन ने कहा है कि एअर इंडिया ने मुआवजा देने से पहले परिवारों से कानूनी रूप से संवेदनशील वित्तीय जानकारी मांगी, जिससे उनका हक कम हो सकता है। उधर, एअर इंडिया ने आरोपों को नकार दिया है। नीनन ने कहा कि एअर इंडिया पीड़ित परिवारों के साथ अनैतिक और अपमानजनक व्यवहार कर रही है।

5 लाख महिलाओं को सेनेटरी पैड बांटेगी कांग्रेस, पैकेट पर राहुल गांधी का फोटो

भाजपा बोली- ये घिनौनी हरकत, महिलाओं का अपमान

पटना। एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस बिहार में 5 लाख महिलाओं को सेनेटरी पैड बांटेगी। इस सेनेटरी पैड के कवर पर राहुल गांधी का फोटो लगा है। लिखा है, माई-बहिन मान योजना, जरूरतमंद महिलाओं को सम्मान राशि- 2500 रुपए महीना। बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने शुक्रवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, बिहार में महिलाओं के लिए हमने विशेष तैयारी की है। हमारा लक्ष्य 5 लाख महिलाओं को घर-घर जाकर सेनेटरी पैड दिया जाएगा।' भाजपा ने इसे बिहार की महिलाओं का अपमान बताया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा कि ये जानबूझकर की गई घिनौनी हरकत है।

बीजेपी का सवाल- क्या कांग्रेसी अपने घर में ये सेनेटरी पैड देंगे

सेनेटरी नैपकिन के पैकेट पर राहुल गांधी की तस्वीर छपी होने के मामले में बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा कि इससे घिनौनी हरकत और कुछ भी नहीं हो सकती। इसे मैं शर्मनाक नहीं कहूंगा.. क्या कांग्रेसी नेता ये सेनेटरी पैड अपने घर में जाकर देंगे, जिसमें राहुल गांधी का चेहरा चमक रहा है, और ये लोग चले हैं बिहार में महिलाओं को सेनेटरी पैड बांटने। राहुल गांधी विज्ञापन स्टार बन गए हैं। सेनेटरी पैड का अब विज्ञापन कर रहे हैं। राजनीति छोड़ दीजिए और कुछ और कर लीजिए। बेहूदगी की हद हो गई मैं इसे घिनौनी हरकत कहूंगा।

रूस ने तालिबान सरकार को मान्यता दी

ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश ; तालिबान ने फैसले को बहादुरी भरा बताया

काबुल/मॉस्को। एजेंसी

अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा गुरुवार को काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई।

तालिबान सरकार ने रूस के इस कदम को बहादुरी भरा फैसला बताया है। मुत्ताकी ने बैठक के बाद जारी एक वीडियो बयान में कहा, यह साहसी फैसला दूसरों के लिए एक मिसाल बनेगा। अब मान्यता की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, रूस सबसे आगे रहा। तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने भी एएफपी को पुष्टि करते हुए कहा कि रूस पहला देश है जिसने इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता दी है।

रूस बोला- मान्यता देने से द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा

रूस के अफगानिस्तान मामलों के विशेष प्रतिनिधि जामिर काबुलोव ने रिया नोवोस्ती ने तालिबान सरकार को मान्यता देने की पुष्टि की। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी कर कहा कि इस्लामिक अमीरात की सरकार को मान्यता देने से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा।

सावधानी से काम करे भारत, दलाई लामा के उत्तराधिकारी मामले में धमकी देने पर उतारू चीन

चीन के आंतरिक मामलों में भारत हस्तक्षेप न रहें

नईदिल्ली। एजेंसी

दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन के मामले में चीन भारत को धमकी देने पर उतारू हो गया है। उसने भारत से तिब्बत से जुड़े मुद्दों पर सावधानी से काम करने के लिए कहा है, ताकि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार पर इसका असर न पड़े। चीन ने शुक्रवार को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू की इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई है कि दलाई लामा को अपनी इच्छा के अनुसार चलना चाहिए।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने रिजिजू की टिप्पणियों पर एक सवाल का जवाब देते हुए मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत को 14वें दलाई लामा की चीन विरोधी अलगाववादी प्रकृति से स्पष्ट होना चाहिए और शिजांग (तिब्बत) से जुड़े मुद्दों पर अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करना चाहिए। चीन तिब्बत को शिजांग कहता है। माओ ने कहा कि भारत को अपने शब्दों और कार्यों में सावधानी बरतनी चाहिए, शिजांग से संबंधित मुद्दों पर चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना बंद करना चाहिए और चीन-भारत संबंधों के सुधार और विकास पर प्रभाव डालने से बचना चाहिए।

रिजिजू ने गुरुवार को जोर देकर कहा कि अगले दलाई लामा पर फैसला सिर्फ स्थापित संस्था और दलाई लामा लेंगे। उन्होंने कहा कि इस फैसले में कोई और शामिल नहीं होगा। यह दलाई लामा द्वारा अपने उत्तराधिकारी पर की गई टिप्पणियों पर भारत सरकार के किसी वरिष्ठ अधिकारी की पहली प्रतिक्रिया थी। बुधवार को तिब्बती आध्यात्मिक नेता ने कहा कि दलाई लामा की संस्था जारी रहेगी और केवल गादेन फोडरंग ट्रस्ट - जिसकी स्थापना 2015 में उनके कार्यालय द्वारा की गई थी - को ही उनके अगले दलाई लामा को मान्यता देने का अधिकार होगा।

रिजिजू की यह टिप्पणी नोबेल शांति पुरस्कार विजेता की उत्तराधिकार योजना को चीन द्वारा खारिज किए जाने के बाद आई है, जिसमें जोर दिया गया है कि किसी भी भावी उत्तराधिकारी को उसकी स्वीकृति की मुहर मिलनी चाहिए। रिजिजू, जो बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं, और उनके साथी केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह, 6 जुलाई को धर्मशाला में दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि जन्मदिन समारोह एक धार्मिक समारोह है और इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।

क्या पहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाएगी BJP

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. अगले कुछ दिनों में बीजेपी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है. मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा इस बात की है कि बीजेपी किसे अपना अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाएगी. पिछले कुछ दिनों में केंद्रीय नेतृत्व ने कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों का ऐलान किया है और इससे पार्टी के संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन का रास्ता साफ हो गया है.

बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा, इसे लेकर पिछले कुछ महीनों में ढेर सारी अटकलें लग चुकी हैं. जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी, 2023 में ही समाप्त हो गया था इसलिए तब से कई बार कई नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर चर्चा में आ चुके हैं लेकिन अब जो मीडिया में ताजा और बड़ी जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक बीजेपी पहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती है. जिन महिलाओं के नाम इस दौड़ में आगे चल रहे हैं उनमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आंध्र प्रदेश बीजेपी की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी और बीजेपी महिला मोर्चा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन जैसे अहम चेहरे शामिल हैं. ध्यान देना जरूरी होगा कि यह तीनों ही महिलाएं दक्षिण भारत से आती हैं.

वनथी श्रीनिवासन: तीसरी दावेदार के रूप में वनथी श्रीनिवासन कोयंबटूर साउथ से विधायक हैं. वह मूल रूप से तमिलनाडु की रहने वाली हैं और राजनीति में आने से पहले वकालत के पेशे में सक्रिय थीं. वनथी 1993 में बीजेपी में शामिल हुई और वह तमिलनाडु बीजेपी संगठन में सचिव, महासचिव और पार्टी उपाध्यक्ष भी रही हैं. 2020 में बीजेपी ने उन्हें महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और 2022 में वह बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य बनीं.

RSS का क्या स्टैंड है?

डी. पुरंदेश्वरी

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के लिए दूसरा नाम डी. पुरंदेश्वरी का है, वह आंध्र प्रदेश में बीजेपी की अध्यक्ष रह चुकी हैं. उनके बारे में खास बात यह है कि वह कई भाषाएं बोलने में माहिर हैं. पुरंदेश्वरी हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दुनिया भर के देशों को जानकारी देने के लिए केंद्र सरकार की ओर से भेजे गए डेलिगेशन का हिस्सा थीं.

नड्डा, संतोष के साथ हुई सीतारमण की बैठक

निर्मला सीतारमण की हाल ही में मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के संगठन महासचिव बीएल संतोष के साथ दिल्ली के हेडक्वार्टर में एक हाई प्रोफाइल बैठक हुई. उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार माना जा रहा है. उनके पास राजनीति में काम करने का लंबा अनुभव भी है. अगर सीतारमण बीजेपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनती हैं तो पार्टी को दक्षिण भारत में अपना विस्तार करने में मदद मिल सकती है. बीजेपी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार लोकसभा में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण से जुड़ा कानून भी बना चुकी है. निर्मला सीतारमण भारत सरकार में रक्षा मंत्री रही है, उन्हें पार्टी के संगठन के मामलों का भी काफी अनुभव है.

भूपेंद्र , धर्मेंद्र प्रधान, प्रहलाद जोशी का भी नाम

इसके अलावा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, प्रहलाद जोशी का नाम भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चर्चा में है. भूपेंद्र यादव को संगठन के मामलों का काफी अनुभव है और वह भारत की राजनीति में ताकतवर ओबीसी समुदाय से आते हैं. यादव ने महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित कई राज्यों में बीजेपी के लिए चुनावी रणनीति बनाने का काम किया है. ऐसे में उनका दावा भी इस पद के लिए मजबूत माना जा रहा है.

बादल फटने से तबाह मंडी का दौरा नहीं करने पर रार

सांसद कंगना ने दी सफाई तो जयराम ठाकुर बोले- जिन्हें चिंता नहीं

राष्ट्रबाण

मंडी. हिमाचल प्रदेश में मानसून ने भारी तबाही मचाई है. 20 जून को मानसून की दस्तक के बाद से अब तक बादल फटने, फ्लैश फ्लड, भूस्खलन और डूबने की घटनाओं में 43 लोगों की मौत हो चुकी है और 37 लोग लापता हैं. प्राकृतिक आपदा की सबसे ज्यादा मार मंडी जिले पर पड़ी है, जहां मंगलवार को बादल फटने, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन की 10 घटनाएं हुईं. मंडी में अकेले 17 लोगों की जान गई और 31 लोग अब भी लापता हैं. मौसम की मार के साथ ही हिमाचल का सियासी पारा भी बिगड़ गया है.

दरअसल, मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट किया. उन्होंने लिखा कि हिमाचल प्रदेश में लगभग हर साल बाढ़ से होने वाली तबाही को देखना दिल दहला देने वाला है. मैंने सेराज और मंडी के अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचने की कोशिश की, लेकिन विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने मुझे सलाह दी कि जब तक संपर्क और प्रभावित इलाकों तक पहुंच बहाल नहीं हो जाती, तब तक इंतजार करना बेहतर होगा. मंडी के डीसी ने आज फिर से रेड अलर्ट जारी किया है. मैं प्रशासन की अनुमति मिलने का इंतज़ार कर रही हूं और जैसे ही अनुमति मिलेगी, मैं जल्द से जल्द वहां पहुंचने की कोशिश करूंगी.

जयराम ठाकुर ने दी प्रतिक्रिया: कंगना रनौत के इस पोस्ट पर बीजेपी नेता और हिमाचल के पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में ज्यादा बोलना नहीं चाहता हूं, हम लोग हमारे लोगों के साथ जीने मरने के लिए हैं, हम लोग चिंतित हैं, जिन्हें चिंता नहीं हैं, उनके बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं.

प्राकृतिक आपदा से 5 हजार करोड़ का नुकसान

हिमाचल में प्राकृतिक आपदा से अब तक लगभग 5,000 करोड़ की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है. ये अनुमान राज्य सरकार ने लगाया है. एनडीआरएफ की टीमों ने शुक्रवार को भारी बारिश के बाद प्रभावित भराड़, देजी, पयाला और रुकचुई गांवों से 65 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला. बारिश और भूस्खलन ने कई सड़कों को बंद कर दिया, नदियां उफान पर हैं, और कई गांवों का संपर्क टूट गया है.

फास्ट ट्रैक

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक में भूकंप मार रहा झटके पर झटका

राष्ट्रबाण

कराची. भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान में लगातार भूकंप ही भूकंप आ रहे हैं. भारत ने पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत पहला हमला 6-7 मई की रात किया था. इसके बाद 9-10 मई की रात पाकिस्तान के जवाबी हमले के बदले उसके 11 सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया था. इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मीडिया में चर्चा थी भारत के हमले से पाकिस्तान के परमाणु ठिकाने को भी नुकसान पहुंचा है और वहां से रेडियोएक्टिव विकिरण लीक का खतरा है. हालांकि इसकी पुष्टि किसी भी पक्ष से नहीं की गई. तब से पाकिस्तान लगातार भूकंप के झटके झेल रहा है. जून में 60 भार हिली धरती वैसे तो मई महीने से ही पाकिस्तान में भूकंप की झड़ी लगी है. मई में दर्जनों बार पाकिस्तान के अलग-अलग इलाकों में भूकंप के झटके लगे. वहीं जून में 60 बार भूकंप के झटके लग चुके हैं. पाकिस्तान के सिंध प्रांत स्थित कराची शहर के निवासी अब भी जून में आए दर्जनों भूकंपों के झटकों से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं. एक महीने में करीब 60 बार मध्यम से कम तीव्रता वाले भूकंप आने के कारण शहर के लोगों में डर और मानसिक तनाव स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है. बड़े भूकंप आने का खतरा कराची के महापौर मुर्तजा वहाब ने बताया कि 2 जून से 22 जून के बीच लगातार आए भूकंपों ने लोगों को गहरी चिंता में डाल दिया है. "लोग अब भी घबराए हुए हैं. लोगों को डर है कि कभी भी कोई बड़ा भूकंप आ सकता है जो उनकी ज़िंदगी को तबाह कर सकता है.

सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र पाकिस्तान मौसम विभाग के

पुष्कर सिंह धामी सरकार के 4 साल पूरे

हरिद्वार में विकास संकल्प पर्व पर लोगों को दी 550 करोड़ की सौगात

राष्ट्रबाण

देहरादून. उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में 4 साल पूरे कर लिए हैं. इस मौके पर उन्होंने राज्य के लोगों को 550 करोड़ की सौगात दी. इसके साथ ही विकास संकल्प पर्व पर राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प भी लिया. इस दौरान उन्होंने कहा कि विकास उनके लिए कोई विकल्प नहीं बल्कि उनका संकल्प है. इसी वजह से उनकी सरकार के चार साल पूरे होने पर विकास संकल्प पर्व मनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि साल 2021 में आज के दिन ही उन्हें उत्तराखंड की जिम्मेदारी मिली थी और तब से वह राज्य को आगे ले जाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं.

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस मौके पर हरिद्वार में नदी महोत्सव का उद्घाटन भी किया. इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना भी की. नदी महोत्सव के जरिए राज्य की विभिन्न नदियों की

सफाई की जाएगी. हरिद्वार के ऋषिकुल मैदान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार की 550 करोड़ लागत की 107 विकास योजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया. उन्होंने 281 करोड़ रुपये की 100 योजनाओं का लोकार्पण और 269 करोड़ रुपये की 7 योजनाओं का शिलान्यास किया.

चार साल में पूरे किए यह संकल्प: सीएम धामी ने लिखा भाइयों-बहनों, जहां इन 4 वर्षों में समान नागरिक संहिता, सख्त नकल विरोधी कानून, सख्त धर्मांतरण कानून, दंगारोधी कानून लागू कर सुशासन के संकल्प को पूरा किया है.

पीएम मोदी का आभार जताया

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड सीएम के रूप में चार साल पूरे करने के बाद एक्स पर पीएम मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि ये चार साल राज्य के विकास के लिए समर्पित रहे हैं. उन्होंने लिखा ‘प्रिय प्रदे-शवासियों, आप सभी के स्नेह, प्रेम और आशीर्वाद से आज मुख्यसेवक के रूप में 4 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण किया है. आदरणीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा और मार्गदर्शन से ये 4 वर्ष देवभूमि उत्तराखंड को देश के श्रेष्ठ राज्यों में शामिल करने के हमारे प्रयासों को समर्पित रहे हैं. इन 4 वर्षों में हर मोर्चे पर आपसे मिला अपार समर्थन मेरे लिए न केवल हर्ष का विषय रहा है बल्कि यह एक जिम्मेदारी का एहसास भी था जो दिन-रात देवतुल्य जनता की आशाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहा है.

'चीन लाइव लैब की तरह हथियार टेस्ट कर रहा था, अगला युद्ध'

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. पाकिस्तान के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता किसी से छिपी नहीं है. भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से हमें यकीनन बहुत सारे सबक सीखने को मिले हैं. उन्होंने कहा कि जब भारत और पाकिस्तान दोनों ओर से DGMO स्तर की वार्ता हो रही थी तो पाकिस्तान को हमारे वेक्टर्स की लाइव अपडेट्स चीन से मिल रही थी. हमें मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम की जरूरत है ताकि भविष्य में ऐसी चुनौतियों का सामना किया जा सके. सिंह ने कहा कि इस दौरान हमारे कुछ स्वदेशी हथियारों ने बढ़िया काम किया. लेकिन कुछ ने नहीं किया.

भविष्य के लिए तैयार रहना होगा! उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को चीन से लाइव इनपुट मिल रहे थे. हमें इस पर तेजी से काम करना होगा. जहां तक इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर की बात है. हमें हमारे एयर डिफेंस सिस्टम को और मबजूत करना होगा. हमारे पास इजरायल की तरह आयरन डोम नहीं है. उस तरह की लग्जरी हमारे पास नहीं है क्योंकि हमारा देश बहुत बड़ा है और इन चीजों में बहुत पैसा लगता है. हमें भविष्य की तैयारी करनी होगी और भविष्य के लिए तैयार रहना होगा. 22 अप्रैल को हुए पहलगाम अटैक के जवाब में भारतीय सेना ने 7 मई की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था. इसके तहत, भारतीय सेना ने पाकिस्तान और Pok में 9 आतंकी ठिकानों को उड़ा दिया था. इससे बौखलाकर पाकिस्तानी सेना ने भारत के सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया था.

ऑपरेशन सिंदूर पर उप सेना प्रमुख क्या बोले

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने FICCI के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जंग एक बॉर्डर पर हो रही थी लेकिन विरोधी तीन थे. पाकिस्तान मोर्चे पर सामने था लेकिन चीन उसे हरसंभव मदद दे रहा था. हालांकि, इसमें हैरानी की कोई बात नहीं है. पिछले पांच साल में पाकिस्तान जिन हथियारों का इस्तेमाल कर रहा है, उनमें से 81 फीसदी चीन के हैं. उन्होंने कहा कि चीन अपने हथियारों को अन्य हथियारों के साथ परख रहा था. वह लाइव लैब की तरह अपने हथियारों को टेस्ट कर रहा था. तुर्की ने भी पाकिस्तान को सपोर्ट करने में अहम भूमिका निभाई. वह लगातार पाकिस्तान के साथ था.

पाकिस्तान ने 30 घुसपैठियों को मार गिराने का दावा किया

कहा-अफगानिस्तान के रास्ते से घुसना चाह रहे थे आतंकी

राष्ट्रबाण

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तर वज़ीरिस्तान जिले में अफगान सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे कम से कम 30 आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया. यह कार्रवाई मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि को हसन खेल इलाके में की गई. इस संबंध में पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ‘इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस’ (ISPR) ने शुक्रवार को जानकारी दी.

अफगानिस्तान को चेतावनी: ISPR ने कहा कि यह सफलता पाकिस्तान की सतर्क खुफिया

तीव्र और सुनियोजित जवाबी कार्रवाई

ISPR ने अपने बयान में कहा कि सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों ने एक त्वरित और सटीक जवाबी कार्रवाई करते हुए 30 आतंकियों को मार गिराया, जो अफगानिस्तान की ओर से पाकिस्तान में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे. “कार्रवाई के दौरान आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है.

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का चल गया पता

राज्य कम्यूनिस्ट पार्टी की मीडिया ने निर्देश देते दिखाया

राष्ट्रबाण

बीजिंग. चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का पता चल गया है. जबकि अभी तक उन्होंने सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूरी बना रखी थी. साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की खबर के अनुसार राज्य और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (CCP) के मीडिया ने गत सोमवार को उन्हें पोलितब्यूरो को निर्देश देते हुए दिखाया है. इससे माना जा रहा है कि कई दिनों की गुमनामी के बाद जिनपिंग फिर से नियंत्रण के लिए लौट आए हैं. जोकि यह संकेत करता है कि वह अब भी सत्ता की कमान संभाले हुए हैं. इस दौरान उन्होंने अनुशासन को लेकर जीरो टोलरेंस अपनाने की बात कही.

कब से थे लापता: मीडिया में आई खबरों के अनुसार राष्ट्रपति शी जिनपिंग 20 मई से ही लापता थे. उनको लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही थी, कुछ लोग उन्हें हाउस अरेस्ट होने का दावा कर रहे थे तो कुछ उनके गायब होने को चीन की सेना में मची भारी उथल-पुथल से जोड़कर देख रहे थे. मगर अब साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट का दावा है कि उन्होंने गत सोमवार को पोलित ब्यूरो को कुछ आवश्यक निर्देश जारी किया है.

जनता, पार्टी और कानून का करें सम्मान शी ने पार्टी सदस्यों और अधिकारियों से जनता, पार्टी और कानून सम्मान करने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि वे हमेशा यह याद रखें कि “सारी सत्ता जनता द्वारा दी जाती है. इसलिए जनता, पार्टी, कानून और अनुशासन का सम्मान करें. शी जिनपिंग ने एक बार फिर पार्टी अनुशासन बनाए रखने के लिए दशक पुराने आठ-सूत्रीय सादगी नियमों को कड़ाई से लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया.

शी ने पोलित ब्यूरो को क्या संदेश दिया?

रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को 24 सदस्यीय पोलितब्यूरो की एक समूह अध्ययन बैठक को शी ने संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि देश को राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी अभियान की निगरानी के लिए एक “स्पष्ट, पारदर्शी और ट्रेसेबल” प्रक्रिया की आवश्यकता है. शी ने यह टिप्पणी पार्टी की स्थापना की 104वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर की. शी जिनपिंग ने कहा, “भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए, हमें सत्ता के प्रयोग को नियंत्रित करना होगा.” उन्होंने ज़ोर देकर कहा, “हमें सत्ता के अधिकार, प्रयोग और नियंत्रण को एकीकृत करने के लिए संस्थागत तंत्र को बेहतर बनाना होगा और इसे स्पष्ट, पारदर्शी और ट्रेसेबल बनाना होगा. हमें सत्ता के प्रयोग में मौजूद खामियों की पहचान करने और प्रणाली की कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान देना चाहिए.”

राजनीति नरेंद्र मोदी ने की मुलाकात

बिहार के इस गांव ने दी दुनिया को पहली भारतीय मूल की महिला प्रधानमंत्री

राष्ट्रबाण

बक्सर. प्रधानमंत्री के गांव में फिर से खुशी का माहौल है. यहां भारत के प्रधानमंत्री की नहीं. बल्कि, त्रिनिदाद और टोबैगो के प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर की हो रही है. आज (शुक्रवार) को प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री कमला की मुलाक़ात हुई. इस मुलाक़ात को लेकर प्रधानमंत्री कमला के घरवालों ने कहा, जल्द आइए प्रधानमंत्री बेटी, हम कर रहे हैं आपका इंतजार.

टूटी सड़कें, कच्चे घर, लेकिन खुशी सौगुना: कच्ची-पक्की सड़क, टूटा-फूटा घर, लेकिन गांव वालों की खुशी सौगुना ज्यादा है. दरअसल, भारत से सैकड़ों किलोमीटर दूर बक्सर की बेटी ने

कमाल कर दिया है. अफ्रीका के इस देश त्रिनिदाद और टोबैगो की राजनीति के सफर में आज वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर कई राजनीतिक चर्चाएं कर रही हैं. ऐसे में भेलूपुर में बेहद खुशी झलक रही है. साथ ही लोगों के अंदर पुनः विकसित होने की ललक जाग चुकी है.

भेलूपुर से विश्व राजनीति तक का सफर: कमला प्रसाद-बिसेसर का पैतृक गांव भेलूपुर, बक्सर जिले के इटाढ़ी प्रखंड में स्थित है. 1127 की आबादी वाला यह छोटा सा गांव अब अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर उभर आया है. कमला का जन्म त्रिनिदाद में हुआ था, लेकिन उनके पूर्वज, विशेष रूप से परदादा पंडित राम लखन मिश्रा, 1880-90 के बीच कलकत्ता पोर्ट से वोल्गा जहाज द्वारा गिरमिटिया मजदूर के रूप में त्रिनिदाद पहुंचे थे. ऐसे में गांव में अब उनके परिवार से कहा चाचा और उनका परिवार रहता है.

भावुक लम्हे और पारिवारिक जुड़ाव गांव के उनके रिश्तेदार जगदीश मिश्रा बताते हैं, जब पहली बार वह गांव आई थीं तो मुझसे मिली थीं और मुझे अंकल कहकर पुकारा था.2012 में अपने पहले प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान कमला अपने पैतृक गांव आईं और यहां उन्होंने भावुक होकर कहा था, “जो कुछ भी मैं आज हूं, वह मेरे पूर्वजों के आशीर्वाद और इस भूमि के लोगों की वजह से है.”

नेतृत्व, शिक्षा और प्रेरणा की प्रतीक: कमला प्रसाद-बिसेसर ने शिक्षा और कानून के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की. वे त्रिनिदाद और टोबैगो की शिक्षा मंत्री भी रही हैं. 2010 में वे देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं. उनका राजनीतिक सफर इस बात का प्रमाण है कि कैसे भारतीय मूल की महिलाएं भी वैश्विक राजनीति में अपनी जगह बना सकती हैं.

विकास से अब भी कोसों दूर है प्रधानमंत्री का गांव

जहां एक ओर कमला प्रसाद-बिसेसर की सफलता ने भेलूपुर गांव को अंतर-राष्ट्रीय मान्यता दिलाई है, वहीं दूसरी ओर यह गांव अब भी बुनियादी विकास की राह देख रहा है. यहां स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है. ग्रामीणों को उम्मीद है कि अब इस ऐतिहासिक जुड़ाव से गांव का भविष्य भी उज्ज्वल होगा.

एक प्रेरणादायक विरासत

कमला प्रसाद-बिसेसर भारतीय मूल की उन चुनिंदा हस्तियों में हैं जिन्होंने वैश्विक राजनीति में अपनी विशेष पहचान बनाई है. उनकी कहानी बताती है कि अपनी जड़ों से जुड़े रहकर भी विश्व पटल पर उत्कृष्टता हासिल की जा सकती है. यह हर प्रवासी भारतीय के लिए प्रेरणा और गौरव का विषय है.

घरेलू झगड़े में रिटायर्ड CRPF DSP ने की फायरिंग

बहू-पत्नी घायल, बेटे की मौत

राष्ट्रबाण

अमृतसर. पंजाब की राजधानी अमृतसर से सनसनीख़ेज़ मामला सामने आया है. यहां घरेलू विवाद में एक पिता ने अपने बेटे, पत्नी और बहु पर फायरिंग कर दी. इस फायरिंग में बेटे को 3 गोलियां लगीं और उसकी मौत हो गई है. यह पूरी घटना मजीठा रोड पर एक पुलिस थाने के क़रीब हुआ. ऐसे में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शख्स को पकड़ लिया और उसे हिरासत में ले लिया. वहीं, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया. गोलीबारी की यह वारदात दिनदहाड़े हुई, जिसने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया.

गोली चलाने वाले शख्स की पहचान सीआरपीएफ के रिटायर्ड डीएसपी तरसेम सिंह के तौर पर हुई है. पुलिस के अनुसार, परिवार में वैवाहिक और संपत्ति विवाद चल रहा था और विवाद इतना बढ़ गया कि तरसेम ने दिनदहाड़े अपने ही परिवार पर फायरिंग कर दी.पुलिस मामले की विस्तार से जांच कर रही है और जल्द ही मामले की अगली कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू होगी.

भोपाल रेप-ब्लैकमेलिंग केस : एनएचआरसी की सीएस-डीजीपी को चिट्ठी

पीड़ित छात्राओं को 5-5 लाख दे सरकार, लापरवाह अफसरों पर हो विभागीय कार्रवाई

भोपाल। राष्ट्रबाण

भोपाल के एक निजी कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं के साथ दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और जबरन धर्म परिवर्तन कराने के मामले में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मध्यप्रदेश सरकार और पुलिस पर गंभीर सवाल उठाए हैं। आयोग ने मुख्य सचिव और डीजीपी को निर्देश दिए हैं कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच कराई जाए और जांच में लापरवाही बरतने वाले अफसरों पर विभागीय कार्रवाई की जाए। आयोग ने यह भी कहा है कि मुख्यमंत्री सहायता कोष से पीड़ितों को जो 50 हजार रुपए की राशि दी जा रही है, वह नाकाफी है। हर पीड़िता को 5-5 लाख रुपए की अंतरिम राहत दी जानी चाहिए। एक नाबालिग पीड़िता को 6 लाख रुपए देने का निर्देश भी दिया गया है।

दोस्ती, रेप, वीडियो और फिर धर्मांतरण का दबाव

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को मिली शिकायत के अनुसार, भोपाल के एक निजी कॉलेज में कुछ छात्राओं को पहले दोस्ती के जाल में फंसाया गया, फिर उनके साथ दुष्कर्म किया गया। उनके अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया और फिर धर्म बदलने और निकाह करने के लिए दबाव बनाया गया। पीड़ित छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी लड़कों ने अपनी असली पहचान छिपाकर दोस्ती की थी। आयोग का कहना है कि यह एक सुनियोजित और संगठित अपराध है जिसमें आरोपियों के दूसरे राज्यों तक भी नेटवर्क हो सकते हैं।

एनएचआरसी की टीम ने की मौके पर जांच, कई गंभीर चूक उजागर

आयोग की ओर से गठित टीम ने 13 से 17 मई के बीच भोपाल आकर पुलिस कमिश्नर, संबंधित थानों, कॉलेज, क्लब-90 परिसर और पीड़ित छात्राओं के घरों का दौरा किया। जांच टीम ने डीएसपी मोनिया उप्पल, इंस्पेक्टर संतोष कुमार और एनएचआरसी के अन्य अफसरों के साथ जगह-जगह जाकर साक्ष्य जुटाए।

पीड़ित छात्राएं डरी हुई, पढ़ाई भी छोड़नी पड़ी

जांच में सामने आया कि 5 में से 3 छात्राएं कॉलेज छोड़ चुकी हैं। वे अब भी डर के कारण अपने घरों में छिपकर रह रही हैं। आयोग ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि इन छात्राओं की पढ़ाई नए कॉलेज में शुरू करवाई जाए और उन्हें पूरी सुरक्षा दी जाए। साथ ही, सभी एससी-एसटी-ओबीसी वर्ग की पीड़िताओं को छात्रवृत्ति दोबारा शुरू की जाए और पुरानी छात्रवृत्तियों की राशि भी वापस दी जाए।

पुलिस अफसरों पर गिरी गाज, जांच के निर्देश

एनएचआरसी ने कहा है कि पीड़िता द्वारा की गई डायल 100 कॉल को गंभीरता से न लेना, बलात्कार जैसी वारदात को साधारण रूप में दर्ज करना, और वीडियो साक्ष्य एकत्र न करना, पुलिस की बड़ी चूक है। आयोग ने डीजीपी से कहा है कि ऐसे लापरवाह अफसरों पर विभागीय कार्रवाई की जाए। क्लब-90 की फॉरेंसिक जांच कराई जाए, पीड़िताओं को आगे आने के लिए सुरक्षित माहौल दिया जाए। बचे हुए पीड़ितों की पहचान कर उन्हें कानूनी संरक्षण दिया जाए।

गिरफ्तारी से बचने 2 मंजिला मकान से छलांग लगाई

बदमाश बन्ने खां को पकड़ने के दौरान पुलिसकर्मी भी घायल; पार्टी में की थी 6 राउंड फायरिंग

भोपाल। राष्ट्रबाण

छोला मंदिर क्षेत्र स्थित लीलाधर कॉलोनी में अमित वर्मा हत्याकांड के मुख्य आरोपी नसीम उर्फ बन्ने खां को पुलिस ने बैतूल से घेराबंदी कर पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस उसे घटना में प्रयुक्त पिस्टल की बरामदगी के लिए लेकर गई, तभी आरोपी ने मौके पर पुलिस को चकमा देते हुए दो मंजिला छत से छलांग लगा दी। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके पैरों में गंभीर चोट आई है और फिलहाल वह पीपुल्स अस्पताल में भर्ती है, जहां अब तक उसे होश नहीं आया है।

पुलिस टीम को भी आई चोट, प्रधान आरक्षक घायल

बन्ने खां की इस अचानक हरकत से मची भगदड़ में पुलिस स्टाफ को भी चोटें आई हैं। निशातपुरा थाने के प्रधान आरक्षक मुकेश भारती घायल हुए हैं। पुलिस की टीम को पूरी सतर्कता के बावजूद आरोपी की यह हरकत भारी पड़ी। टीआई सुरेश चंद्र नागर ने बताया कि आरोपी को हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए घटनास्थल पर ले जाया गया था। जैसे ही आरोपी को लेकर टीम उस मकान पर पहुंची, उसने पिस्टल के नजदीक जाते ही छत से छलांग लगा दी। इसके बाद उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल लाया गया।

अभी तक बेहोश, नहीं हो सकी पूछताछ

पुलिस के अनुसार बन्ने खां फिलहाल बेहोश है, जिससे उसकी औपचारिक पूछताछ शुरू नहीं हो सकी है। डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। यह भी स्पष्ट नहीं हो सका है कि उसके पैर टूटे हैं या नहीं। पुलिस मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस पूछताछ में बन्ने खां ने माना कि हवाला की रकम को लेकर उसका अमित वर्मा से विवाद हुआ था। इसी विवाद में गोली चली और अमित की मौत हो गई। इसके बाद बन्ने फरार हो गया था। फरार और शातिर किस्म के अपराधी होने के चलते बन्ने खां की निगरानी के लिए पीपुल्स अस्पताल में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सुरक्षा के लिहाज से पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

तबादले के 16वें दिन ही पटवारी दूसरी तहसील में अटैच

भोपाल में 12 पटवारियों के अटैचमेंट भी खत्म; देवेंद्र पटेल को बैरसिया तहसील भेजा

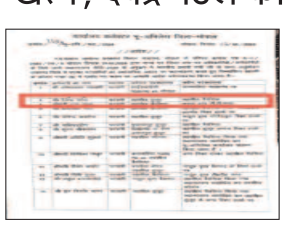

भोपाल। राष्ट्रबाण

भोपाल की 5 तहसीलों में पदस्थ 12 पटवारियों के अटैचमेंट कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने खत्म कर दिए हैं। इन्हें उनकी पूर्व पदस्थापना वाली तहसीलों में ही वापस भेजा गया है। इधर, एक अनोखा मामला भी सामने आया है। जिस पटवारी का 16 दिन पहले तबादला किया गया था, उसे ही दूसरी तहसील में अटैच कर दिया गया। बता दें कि 17 जून को 14 पटवारियों को इधर से उधर किया गया था। इनमें हुजूर में पदस्थ देवेंद्र पटेल को बैरसिया तहसील में भेजा गया था। अब अपर कलेक्टर दक्षिण ने पटेल को नजूल वृत्त टीटी नगर में कार्य संपादित करने के लिए अटैच किया है। एक अन्य पटवारी राजेंद्र पटेल को टीटी नगर से हुजूर तहसील में अटैच किया है।

इन पटवारियों के अटैचमेंट खत्म किए

कलेक्टर सिंह ने 12 पटवारियों के अटैचमेंट खत्म किए हैं। इनमें शैलेंद्र सिंह को नजूल शहर से बैरसिया, दीपांशु पटेल को टीटी नगर से बैरसिया, तुषार पाटिल को टीटी नगर से बैरसिया, संजय सिंह को हुजूर से बैरसिया, विनोद कुमार द्विवेदी को हुजूर से बैरसिया, योगेश बबेले को एमपी नगर से बैरसिया, जावेद खान को हुजूर से बैरसिया, किशन कुमार सिंह को एमपी नगर से बैरसिया, शैलेंद्र जैन को बैरसिया से हुजूर, विनिता पटेल को कोलार से बैरसिया, सारिका शर्मा को कोलार से बैरसिया और मनीष पटेल को कोलार से बैरसिया भेजा गया है।

जून में हटाए गए थे 50 से ज्यादा पटवारी

भोपाल की एक ही तहसील में 3 साल से जमे करीब 50 पटवारियों को जून महीने में हटा दिया गया था। इनमें 4 राजस्व निरीक्षक भी शामिल हैं। इन्हें एक तहसील या हल्के से दूसरी तहसील में भेजा गया। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने करीब 8 महीने पहले प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप के सामने यह मुद्दा उठाया था। हालांकि, सांसद शर्मा ने जितने पटवारियों की लिस्ट कलेक्टर को सौंपी थी, उसमें से आधे भी नहीं हटाए गए। कुल 183 पटवारी और आरआई (राजस्व निरीक्षक) की लिस्ट तैयार की गई थी।

पेंट्रीकार में गंदगी, जनता खाना गायब

यात्रियों ने खाद्य गुणवत्ता में कमी और ओवर चार्जिंग की शिकायतें भी की

भोपाल। राष्ट्रबाण

रेलवे की सुविधाओं को दुरुस्त करने के उद्देश्य से वाणिज्य विभाग ने ट्रेनों और स्टेशनों पर व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के मार्गदर्शन में मंडल वाणिज्य प्रबंधक पंकज दुबे ने पेंट्रीकार, स्टेशन स्वच्छता और टिकट जांच व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। इस दौरान यात्रियों से सीधा संवाद कर उनकी शिकायतें भी जानी गईं। ट्रेन संख्या 12137 पंजाब मेल की पेंट्रीकार का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पेंट्री प्रबंधक की उपस्थिति में यात्रियों से बातचीत की गई। यात्रियों ने खाद्य गुणवत्ता में कमी और ओवर चार्जिंग की शिकायतें कीं। दुबे ने तत्काल पेंट्री प्रबंधक को बुलाकर ओवर चार्जिंग रोकने और सेवा सुधार के सख्त निर्देश दिए।

गंजबासौदा स्टेशन की सफाई पर उठे सवाल

निरीक्षण का अगला पड़ाव गंजबासौदा रेलवे स्टेशन रहा। यहां प्लेटफॉर्म की सफाई व्यवस्था असंतोषजनक मिली। प्लेटफॉर्म शेड से बारिश का पानी रिसता मिला। सफाई ठेकेदार को तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए हैं। गंजबासौदा स्टेशन पर भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस, भोपाल-बीना मेमू और ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी समेत अन्य यात्री ट्रेनों की जांच की गई। सभी ट्रेनों में टिकट चेकिंग स्टाफ को निर्देश दिए गए कि बिना टिकट यात्रियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। निरीक्षण में मुख्य टिकट निरीक्षक अरुण कुमार श्रीवास्तव, खानपान निरीक्षक हेमराज मीणा, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक मानवेंद्र सिंह और मंडल वाणिज्य निरीक्षक (विदिशा) वी.एम. राव शामिल रहे।

नियमित जांच से सुधरेगी व्यवस्था

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने कहा कि यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सेवा और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के नियमित निरीक्षण आवश्यक हैं। भविष्य में भी यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

अमेजन में नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी

भोपाल। अमेजन में टेलीकॉलर की नौकरी लगवाने के नाम पर भोपाल सहित आसपास के युवाओं से ठगी करने वाले एक शातिर जालसाज को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान तलैया निवासी नबील सिद्दीकी के रूप में हुई है। नबील ने अब तक 80 से अधिक बेरोजगारों को अपने झांसे में लेकर लाखों रुपए की ठगी की है। एडिशनल डीसीपी क्राइम शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि आरोपी नबील पहले अमेजन कंपनी की पुणे स्थित ब्रांच में टेलीकॉलर के रूप में काम कर चुका है। इस अनुभव का फायदा उठाकर वह भोपाल में अमेजन के नाम से फर्जी ई-मेल आईडी बनाकर बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देता था।

भोपाल के कई इलाकों में बदबूदार पानी

सप्लाई को लेकर बीजेपी पार्षद ने लिखा लेटर; बोले-पीने योग्य नहीं

भोपाल। राष्ट्रबाण

भोपाल के कई इलाकों में गंदे और बदबूदार पानी की सप्लाई हो रही है। इसे लेकर पार्षदों के पास भी शिकायतें पहुंच रही हैं। ऐसे में बीजेपी पार्षद पप्पू विलास राव घाड़गे ने महापौर मालती राय को लेटर लिखा है। जिसमें पानी के पीने योग्य नहीं होने की बात भी कही गई है। पार्षद घाड़गे ने बताया कि पानी गंदा, बदबूदार और मटमैला आ रहा है। जिसमें सुधार करने के लिए महापौर को पत्र लिख कार्रवाई का आग्रह किया गया है।

वीडियो भी उपलब्ध करवाए

पार्षद घाड़गे ने लेटर में बताया कि नर्मदा लाइन की पाइप लाइन से वार्ड-34 के जहांगीराबाद एवं आसपास के इलाकों में पानी की सप्लाई की जाती है। जहां कई दिन से बदबूदार पानी आ रहा है, जो पीने के योग्य नहीं है। इसे पीने से बीमारियां हो सकती हैं। जिसकी शिकायत लोगों ने की है। इसलिए पड़ताल की जाए कि आखिर इतना गंदा पानी क्यों सप्लाई हो रहा है? उन्होंने गंदे पानी के वीडियो भी उपलब्ध करवाए हैं।

वार्ड-40 में भी गंदा पानी

जोन-11 के वार्ड नंबर-40 में भी पानी को लेकर शिकायत हुई है। रहवासी अलमास अली ने बताया कि नर्मदा जल में क्लोरिन की अधिक मात्रा मिलाई जा रही है। इस कारण जलन और उल्टी जैसे लक्षण सामने आ रहे हैं। बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नर्सिंग घोटाले में अवमानना नोटिस पर बोले सिंघार

भाजपा का भ्रष्टाचार बचाओ अभियान जारी, जानबूझकर नहीं दीं सीबीआई जांच की फाइलें

भोपाल। राष्ट्रबाण

एमपी में हुए नर्सिंग घोटाले को लेकर एक बार फिर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा है। सिंघार ने एक्स पर किए ट्वीट में कहा कि भाजपा का 'भ्रष्टाचार बचाओ अभियान' जारी है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने नर्सिंग काउंसिल के चेयरमैन और सचिव को अवमानना नोटिस जारी किया है क्योंकि उन्होंने जानबूझकर फर्जी कॉलेजों की फाइलें पेश नहीं कीं। सिंघार ने लिखा कि हाईकोर्ट ने सीबीआई को भी जांच की सारी फाइलें सौंपने का आदेश दिया है लेकिन सवाल ये है कि पिछली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट में आईएनसी के सचिव का कोर्ट में पेश न होना और अब चेयरमैन का भी न्यायालय के आदेश को अनदेखा करना, क्या ये सिर्फ अफसरों की लापरवाही है या भ्रष्टाचारियों की मिलीभगत है? आखिर किसके इशारे पर न्यायालय की अवमानना हो रही है?

सिंघार ने लिखा कि नर्सिंग घोटाले की हकीकत यह है कि प्रदेश में बड़ी संख्या में फर्जी नर्सिंग कॉलेज खुले। बिना क्लास और बिना स्टाफ के अयोग्य लोगों को डिग्रियां बांट दी गईं। नर्सिंग शिक्षा के नाम पर शुरू हुए इन भ्रष्टाचार के अड्डों को सरकारी संरक्षण मिला। सिंघार के अनुसार उन्होंने सड़क से लेकर सदन तक लगातार नर्सिंग घोटाले पर सरकार से सवाल किए हैं लेकिन सरकार हर बार चुप रही है। भाजपा इन भ्रष्ट संस्थानों को बचा रही है क्योंकि घोटाले की जड़ें कहीं न कहीं उसके खुद के नेताओं और संरक्षित लोगों तक जाती हैं।

बीजेपी के कार्यक्रम पर भी ट्वीट, महिला सुरक्षा पर सवाल

सिंघार ने एक अन्य ट्वीट में कल हुए भाजपा महिला मोर्चा के कार्यक्रम में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर छात्रा द्वारा सरकार पर सवाल उठाने का जिक्र किया है। सिंघार ने लिखा है कि भाजपा महिला मोर्चा की ओर से राजधानी भोपाल में आयोजित मॉक पार्लियामेंट में विपक्ष की भूमिका में शामिल हुई छात्रा ने गंभीर मुद्दा उठाते हुए सरकार को घेरा है कि समय-समय पर इवेंट और विकास की बातें तो हमेशा की जाती हैं लेकिन महिलाओं की सुरक्षा, बलात्कार और छेड़छाड़ जैसे मामलों पर कभी गंभीर चर्चा नहीं होती और इससे जुड़ी बातें आखिर क्यों दबाई जाती हैं? सिंघार ने लिखा कि इस पर जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ऐसा पहला राज्य है, जिसने महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों में फांसी की सजा का प्रावधान किया है लेकिन यह बयान जमीनी सच्चाई से बिल्कुल अलग है।

एमपी की 32 जातियों को केंद्रीय पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल करने पर कर रहे जनसुनवाई

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराम भोपाल में

भोपाल। राष्ट्रबाण

मध्यप्रदेश की पिछड़ी जातियों को केन्द्र की सूची में शामिल करने को लेकर आज राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भोपाल में सुनवाई की। इस दौरान प्रदेश में पिछड़ा वर्ग में शामिल 32 जातियों के प्रतिनिधियों ने आयोग के समक्ष अपनी जातियों का इतिहास बताकर राष्ट्रीय सूची में शामिल करने को कहा। इनका कहना था कि राष्ट्रीय सूची में नाम शामिल नहीं होने से उनकी जाति के लोगों को राष्ट्रीय स्तर के आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता है। राजधानी के वीआईपी स्टेट गेस्ट हाउस लालघाटी के सभागार में हुई सुनवाई में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर, सदस्य भुवन भूषण कमल के अलावा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया एवं सदस्य सीताराम यादव भी शामिल हैं। इसके अलावा पिछड़ा वर्ग विभाग के अधिकारी भी सुनवाई में शामिल होकर आयोग के निर्देशों पर अमल के लिए तैयारी कर रहे हैं।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सचिव देवेश मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग नई दिल्ली द्वारा मध्यप्रदेश राज्य की पिछड़ा वर्ग की 32 जातियों को लेकर यह सुनवाई की जा रही है। इस जाति के लोग खुद को केंद्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सूची में शामिल कराना चाहते हैं।

इन जातियों ने की केंद्रीय सूची में शामिल होने की मांग

पिछड़ा वर्ग की जिन जातियों के प्रतिनिधियों ने अपनी जाति को केंद्रीय सूची में शामिल करने की मांग रखी है उसमें दवेज, भोपा मनभाव, दमामी, हरिदास, कोहरी, फूलमाली (फूलमारी), कलार, जायसवाल, डउसेना, लोढ़ा (तंवर), गोलान, गौलान, गवलान, जादम, कुडमी, रूआला- रूहेला, अब्बासी के साथ सक्का, घोषी गवली और गोली शामिल हैं। इनके अतिरिक्त लिंगायत, महाकुल (राउत), थारवार, जमना लोधी, मनधाव डूकर, कोल्हाटी, घड़वा, झारिया, वोवरिया, मोवार, रजवार, सुत सारथी, तेलंगा, तिलंगा, गयार- परधनिया, बया महरा- कौशल, वया थोरिया, खरादी, कमलीगर, संतराम, शेख मेहतर को केन्द्रीय पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल करने को लेकर जनसुनवाई की जा रही है।

6 माह से नहीं मिला आउटसोर्स स्वास्थ्यकर्मी को वेतन

आयुक्त को सौंपा ज्ञापन, कहा- विधानसभा सत्र में करेंगे विरोध प्रदर्शन

भोपाल। राष्ट्रबाण

मध्यप्रदेश में संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने प्रदेशभर में कार्यरत आउटसोर्स व रोगी कल्याण समिति के अधीन काम कर रहे कर्मचारियों की मांगों को लेकर आज लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के स्वास्थ्य आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने कहा कि कई जिलों में पिछले 5 से 6 महीनों से कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है, जिससे उनका जीवन संकट में है और उनके परिवार आर्थिक रूप से बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। ज्ञापन में 10 प्रमुख मांगें रखी गईं, जिनमें नीति निर्माण से लेकर समान वेतन, स्थायी नियुक्ति और छुट्टी की सुविधाएं शामिल हैं। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शासन-प्रशासन ने जल्द कोई ठोस समाधान नहीं किया तो वे आगामी विधानसभा सत्र के दौरान विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

प्रमुख मांगें, जिन पर आंदोलन की चेतावनी

- नीति बने, प्रथा बंद हो उत्तर प्रदेश की तर्ज पर आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मियों के लिए स्पष्ट नीति बनाई जाए और आउटसोर्सिंग की प्रथा समाप्त की जाए।
- एनएचएम के पुराने कर्मचारियों का समायोजन-जो कर्मचारी पूर्व में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संविदा सपोर्ट स्टाफ रहे हैं, उन्हें विभाग में रिक्त पदों पर नियमित किया जाए या फिर दोबारा एनएचएम में जोड़ा जाए।
- रिक्त पदों पर स्थायी नियुक्ति: वर्तमान में आउटसोर्स व्यवस्था के तहत कार्यरत कर्मचारियों को तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर स्थायी किया जाए।
- 2018 और 2023 की संविदा नीति लागू हो: महंगाई भत्ते सहित सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा निर्धारित संविदा नीतियां तुरंत प्रभाव से लागू की जाएं।
- वेतन में सुधार और वृद्धि: पिछले 3 वर्षों से सेवा दे रहे आउटसोर्स कर्मियों के वेतन में वृद्धि की जाए और वेतन संरचना में बदलाव लाया जाए।
- छुट्टी की सुविधाएं समान हों: नियमित व संविदा कर्मियों की तरह आउटसोर्स कर्मचारियों को भी। 'समान कार्य-समान वेतन' की सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन लागू होः्कोर्ट के निर्देश अनुसार आउटसोर्स व रोगी कल्याण समिति के कर्मियों को भी समान वेतन दिया जाए।

संपादकीय

शोध एवं विकास की बाधाएं दूर होंगी

किसी भी देश को आर्थिक प्रगति के लिए अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) में निवेश करना अनिवार्य है. भारत में सरकार ने इस क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई प्रयास किए हैं जैसे कि नेशनल रिसर्च फाउंडेशन और पीएलआइ योजना. निजी क्षेत्र की कम भागीदारी एक चुनौती है.

किसी देश को यदि दीर्घकालिक एवं स्थायी प्रकृति की आर्थिक प्रगति का लक्ष्य हासिल करना है तो उसके लिए शोध एवं विकास (आर-एंडडी) में निवेश आवश्यक ही नहीं, अपितु अनिवार्य होता है. इतिहास ऐसी मिसालों से भरा हुआ है. ब्रिटेन की औद्योगिक क्रांति सुव्यवस्थित वैज्ञानिक अन्वेषण और पेटेंट अधिकारों को संहिताबद्ध करने की कवायद से प्रेरित थी, जिसने विभिन्न उद्योगों में नए आविष्कारों को प्रोत्साहित किया. बीसवीं सदी में महाशक्ति के रूप में अमेरिका के उभरने के पीछे विज्ञान को सरकारी नीतियों के केंद्र में रखने की अहम भूमिका थी. अमेरिका ने इस दौरान नेशनल साइंस फाउंडेशन और डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी-डारपा जैसे संस्थानों की स्थापना के साथ रक्षा, अंतरिक्ष और मेडिकल शोध में बड़े पैमाने पर निवेश किया. इसने एयरोस्पेस से लेकर इंटरनेट तक जैसे तमाम क्षेत्रों को नए आयाम दिए. हाल में चीन के उभार और विशेषकर एक प्रौद्योगिकी महाशक्ति के रूप में बनी उसकी पहचान में शोध एवं विकास को नीतियों के केंद्र में रखने की अहम भूमिका रही है. संभावनाशील अत्याधुनिक तकनीकों में चीनी सरकार और औद्योगिक क्षेत्र के निवेश ने बीजिंग को बढ़त दिलाई है. स्पष्ट है कि जिस देश ने विज्ञान को अपनी नीतियों के मूल में रखा, तो न केवल उसने समृद्धि के नए प्रतिमान गढ़े, बल्कि अपनी संप्रभुता का भी विस्तार किया. भारत के आरएंडडी परिदृश्य पर निवेश के सूखे को समाप्त करने के लिए सरकार ने हाल के वर्षों में भरसक प्रयास किए हैं. अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ), हाई-टेक क्षेत्रों के लिए विस्तारित उत्पादन आधारित प्रोत्साहन-पीएलआइ योजना से लेकर सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष और क्वांटम टेक्नोलाजी में निवेश विज्ञानोन्मुखी विकास की दिशा में गंभीर नीतिगत प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं. हालांकि निजी क्षेत्र ने इसमें सही तालमेल नहीं दिखाया, जो जोखिम लेने का इच्छुक नहीं दिखता.

अमेरिका, जापान और चीन जैसे देशों की शोध एवं विकास गतिविधियों में जहां निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत तक है, वहीं भारत में यह महज एक तिहाई के दायरे में सिमटा हुआ है. विकास की गति जिन कारणों से अपेक्षित रूप से तेजी नहीं पकड़ पा रही, उनमें से एक यह भी है. निजी क्षेत्र के इस सतर्कता भरे रवैये के पीछे के कारणों की पड़ताल करें तो पहला यही दिखता है कि तमाम कंपनियां उन प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों में सक्रिय हैं जहां लागत का पहलू बहुत मायने रखता है और उनमें मुनाफा भी बहुत ज्यादा नहीं होता. ऐसे में किसी दीर्घकालिक नवाचार से मिलने वाले लाभ को लेकर अनिश्चितता बनी रहती है.

सुधार के नाम पर शिक्षा से खिलवाड़

सरकारी कदम पर विवाद और चिंताएं आंकड़े बताते हैं कि इसके लागू होने के बाद से इन विश्वविद्यालयों में लड़कियों के दाखिले में 30 प्रतिशत तक की कमी आई है. दिल्ली विश्वविद्यालय में ही नामांकन अब केवल उत्तर भारत के तीन-चार राज्यों तक सीमित होकर रह गया है जिसमें कभी पूरे देश के मेधावी युवा आते थे. शिक्षा में सुधार के कुछ सरकारी कदम विवादास्पद बनते जा रहे हैं. हाल में उत्तर प्रदेश सरकार ने करीब 5,000 स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया है.

इससे पहले राजस्थान और अन्य राज्यों की सरकारें भी हजारों स्कूलों को विलय के नाम पर बंद कर चुकी हैं. तर्क दिया जा रहा है कि जहां 50 से कम बच्चे हैं, उन्हें नजदीकी स्कूल में स्थानांतरित किया जाएगा. जो लोग देश के छह लाख से अधिक गांवों से परिचित हैं, वे शिक्षा पर इसके भयानक दुष्परिणाम की कल्पना कर सकते हैं. लगातार प्रयासों के बाद हमारी साक्षरता दर 80 प्रतिशत तक पहुंची है, जिसमें लड़कियों की साक्षरता दर विशेष रूप से उत्तर भारत में बहुत कम है.

बिहार और उत्तर प्रदेश की स्थिति तो समग्र साक्षरता में निराशाजनक है. यदि नजदीकी स्कूल बंद हुए, तो इसका सबसे बुरा असर लड़कियों की शिक्षा पर पड़ेगा, जो किसी भी समाज और देश के विकास के लिए एक बुनियादी शर्त है. देश की लड़कियां कम सुविधाओं के बावजूद हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन कुछ नीतियां उलटे उनके खिलाफ जाती दिख रही हैं. केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए लाई गई नई प्रवेश परीक्षा सीयूईटी ने भी उनके नामांकन पर असर डाला है.

आंकड़े बताते हैं कि इसके लागू होने के बाद से इन विश्वविद्यालयों में लड़कियों के दाखिले में 30 प्रतिशत तक की कमी आई है. दिल्ली विश्वविद्यालय में ही नामांकन अब केवल उत्तर भारत के तीन-चार राज्यों तक सीमित होकर रह गया है, जिसमें कभी पूरे देश के मेधावी युवा आते थे. इस बीच विदेश में पढ़ने वालों की संख्या पिछले पांच वर्षों में दोगुनी से भी अधिक हो गई है. शिक्षा का अधिकार अधिनियम कहता है कि पहली से पांचवीं कक्षा तक हर बच्चे के लिए एक किलोमीटर पर स्कूल होना चाहिए और छठी से आठवीं कक्षा तक हर बच्चे के लिए तीन किलोमीटर के दायरे में ही स्कूल होने चाहिए. संभवतः उत्तर प्रदेश सरकार ने इस पक्ष पर गंभीरता से विचार नहीं किया है. इसके पीछे वे नीति निर्माता प्रतीत होते हैं जिनमें से अधिकतर नगरों, महानगरों और विदेश और अंग्रेजी माध्यम में पढ़े हैं. उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान शिक्षा में कुछ अच्छे काम किए थे, जिसमें 60 हजार शिक्षकों की भर्ती भी शामिल थी. इससे सभी स्कूलों में योग्य शिक्षक उपलब्ध हो गए हैं. इस बीच शौचालय और अन्य भवनों में भी बहुत सुधार हुआ है, लेकिन अकेले इस कदम से पिछले दशकों में साक्षरता, शिक्षा और स्कूलों को बेहतर करने के प्रयासों को बहुत बड़ा धक्का लगेगा. इस यू-टर्न से भारत के विकसित देश बनने का सपना बिखर सकता है. इस बात की गहराई से पड़ताल होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों में बच्चे क्यों कम हो रहे हैं? शिक्षकों पर कुछ अन्य अतिरिक्त काम जैसे-जनसंख्या से जुड़े आंकड़े जुटाने, चुनाव कराने, बैंक खाता खुलवाने, मिड डे मील योजना को लागू करने जैसी जिम्मेदारियां कम क्यों नहीं की जा सकती हैं? क्यों जिला स्तर पर इन स्कूलों में निरीक्षण और उनकी समस्याएं सुनने का तंत्र विकसित नहीं हो पाया है? उनके मोटिवेशन के लिए जिला स्तर पर ठोस कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं? सर्वे बताते हैं कि जिला अधिकारी मुश्किल से पांच प्रतिशत सरकारी स्कूलों में जाते हैं. सरकारी स्कूलों में सरकार छात्रों को यूनिफार्म देती है, वजीफा देती है, कोई फीस नहीं लेती और प्रतियोगी परीक्षाओं से चुने हुए योग्य शिक्षक नियुक्त होते हैं.

दलाई लामा के साथ भारत

उत्तराधिकार के मसले पर भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है. इसमें कुछ भी अप्रत्याशित नहीं. भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी.

14वें दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी Gaden Phodrang Trust को दे दी है. उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है. उनका इशारा चीन की ओर था. रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है. वहीं, चीन का कहना है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए.

तिब्बत के लिए दलाई लामा केवल धार्मिक गुरु नहीं हैं - वह उसकी सांस्कृतिक पहचान, उसके वजूद और उसके ताकत के केंद्र हैं. 1959 में जब उन्हें कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं - चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर. इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा. चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है. चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है. दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है. उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर जियो-पॉलिटिक्स का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है. भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे.

चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग तनाव का एक कारण यह भी है. दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है - अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है. लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है. वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है.

कैब के नए नियमों से बढ़ेंगी मुसीबतें

ड्राइवरों की मनमानी किसी से छिपी नहीं है. वे कई बार यात्रा का डिजिटल भुगतान करने पर जोर देते हैं और पसंद का गंतव्य न मिलने पर खुद भी बुकिंग रद्द कर देते हैं.

हमें फॉलो करें शहरों-महानगरों में सार्वजनिक परिवहन की सीमाओं की वजह से आम आदमी आवश्यकता पड़ने पर ऐप आधारित कंपनियों के वाहनों से अपने गंतव्य तक आवाजाही कर लेता था. मगर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के नए दिशा-निर्देश लागू होने के बाद ऐसे वाहनों से सफर महंगा होने की स्थिति में अब लोगों को सोचना पड़ेगा. अव्वल तो व्यस्त समय को कारण बना कर समान दूरी तक सफर के लिए दोगुना किराया लेना अनुचित है, फिर यह बेहद निराशाजनक है कि पहले ही महंगाई के बोझ से दबे आम लोगों पर किराए की मार के साथ-साथ बुकिंग रद्द कर देने पर जुर्माना लगाने का नियम भी सख्त कर दिया गया है. यह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं. इससे यात्रियों के लिए मुश्किलें बढ़ जाएंगी, क्योंकि अक्सर ऐसा पाया गया है कि कैब कंपनियों की गाड़ियां समय पर नहीं आतीं. ऐसे में लोगों को विवश होकर अपनी बुकिंग रद्द करनी पड़ती है. वहीं चालकों की मनमानी किसी से छिपी नहीं है. वे कई बार यात्रा का डिजिटल भुगतान करने पर जोर देते हैं और पसंद का गंतव्य न मिलने पर खुद भी बुकिंग रद्द कर देते हैं. हालांकि अब ऐसे चालकों की नकेल कसने के लिए उन पर जुर्माने का प्रावधान किया गया है, लेकिन चिंता की बात यह है कि राज्य सरकारों को नए दिशा-निर्देश लागू करने की सलाह के बाद आम लोगों पर ही इसका आर्थिक बोझ बढ़ेगा. व्यस्त समय में किराया बढ़ाने का चलन नया नहीं है. मगर मूल्य निर्धारण का यह मनमाना तरीका आखिरकार यात्रियों की जेब पर भारी पड़ता है. कैब सेवा प्रदाता कंपनियों को दोगुना किराया लेने की अनुमति देने से पहले यात्रियों की शिकायतें सुनने और उन्हें दूर करने की जरूरत थी. हाल में आए एक सर्वेक्षण में आधे से अधिक यात्रियों का कहना है कि इन कंपनियों की सेवाएं बेहतर नहीं हैं.कई बार तो गाड़ियों के लिए देर तक इंतजार करना पड़ता है. वाहनों की साफ-सफाई और चालकों के खराब व्यवहार पर भी लोग प्रायः सवाल उठाते रहे हैं. अचानक किराया बढ़ा दिए जाने से लोग पहले ही परेशान थे. अब तो सीधे-सीधे लोगों की जेब से दोगुना किराया वसूलने की व्यवस्था थोप दी गई है.

राशिफल

■ **मेष**: आज का दिन आपको अपनी सेहत का ख्याल रखने का संकेत देगा. अगर आप थोड़ा एक्स्ट्रा पैसा कमाने के तरीके तलाश रहे हैं तो सुरक्षित आर्थिक प्लानिंग में निवेश करें. रिश्तों के बंधन और संबंधों को फिर से ताजा करने का यह दिन खास है.

■ **वृषभ**: आज आप दोस्तों के साथ एक सुखद शाम बिताएंगे. कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है. प्रभावशाली लोगों से बातचीत करने का मौका मिलेगा. कार्यस्थल पर आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है.

■ **कर्क**: आज आपको अपने जीवनसाथी के साथ एक अच्छी शाम बिताने का मौका मिलेगा. निवेश से लाभ होगा. आपकी लव लाइफ एक सुखद मोड़ लेगी. कार्यस्थल पर आपके काम की तारीफ होगी और प्रमोशन आदि के संकेत भी हैं.

■ **सिंह**: आज आपको काम व आराम के बीच बैलेंस बनाने की जरूरत है. आज आप पैसों से जुड़ी परेशानियों से बाहर निकलने में सफल रहेंगे. किसी मित्र के साथ मिलने से आपको कारोबार में वृद्धि मिल सकती है. किसी के हस्तक्षेप के कारण आपके लवर के साथ संबंध तनावपूर्ण हो सकते हैं.

■ **कन्या**: आज आपका मन किसी बात को लेकर परेशान हो सकता है. कुछ व्यापारियों को धन लाभ होने की संभावना है. जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा. ऑफिस में गपशप करने से बचना चाहिए. इस दिन आपका वैवाहिक जीवन एक खूबसूरत मोड़ लेगा.

■ **तुला**: आज आपको आर्थिक लाभ के संकेत हैं. किसी लापरवाही के कारण नुकसान भी हो सकता है, इसलिए पेमेंट आदि करते समय सतर्क रहें. ऑफिस में आप अटके हुए कार्यों को अंतिम रूप देने में सफल रहेंगे. आपकी रोमांटिक लाइफ भी बदल जाती है. आज कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में बहुत अधिक रुचि ले सकता है,

■ **वृश्चिक**: आप अपने दिन की शुरुआत योग और ध्यान से कर सकते हैं. पूरे दिन आपकी ऊर्जा का स्तर बना रहेगा. आज आपको यह बात समझ में आ जाएगी कि निवेश करना अक्सर आपके लिए बहुत लाभकारी साबित होता है. माता-पिता का सहयोग मिलेगा.

■ **धनु**: आज आराम करने के लिए दोस्तों के साथ समय बिताएं. किसी भी तरह से निवेश से बचें, वरना आर्थिक नुकसान हो सकता है. अटके हुए धन की वापसी से वित्तीय स्थिति में सुधार होगा. आपको अपने बच्चे पर गर्व होगा. संतान पक्ष का पूरा साथ मिलेगा.

■ **मकर**: प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपको कार्यस्थल पर अच्छे परिणाम लाने में मदद करेगा. समझदारीपूर्ण निवेश से ही रिटर्न मिलेगा. आज जीवनसाथी के साथ आपसी समझ भी बढ़ेगी. भावनात्मक अशांति आपको परेशान कर सकती है.

■ **कुंभ**: आप मानसिक और शारीरिक रूप से थोड़ा थका हुआ महसूस कर सकते हैं. आर्थिक स्थिति में सुधार होने से आप जरूरतों को पूरा कर पाएंगे. गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी. बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा. व्यापारिक रूप से स्थिति सुदृढ़ होगी. जीवनसाथी की ओर से सरप्राइज मिल सकता है.

■ **मीन**: आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. आपको आर्थिक सतर्कता बरतने की जरूरत है. कामकाज के सिलसिले में दिन बहुत सहज नजर आ रहा है. आज आप अच्छे विचारों से परिपूर्ण रहेंगे. आर्थिक रूप से दिन लाभकारी रहेगा. आप अपने जीवनसाथी के साथ आज एक बार फिर पुराने खूबसूरत रोमांटिक दिनों को याद करेंगे.

फिल्म वर्ग पहेली - 384

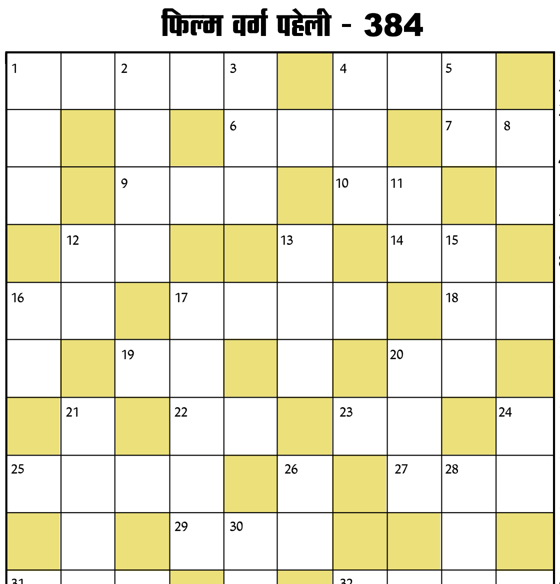

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2,3
4. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-3
6. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-3
9. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-3
10. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-2
12. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-2
14. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-2
16. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-2
17. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-2,2
18. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-2
19. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-2
20. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक?-2
22. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-2
23. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-2
25. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-4
27. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-3
29. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-3
31. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-3
32. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-3
2. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-4
3. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-3
4. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-3
5. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-2
8. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-2
11. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-2
12. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-2
13. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
15. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-3
16. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-2
17. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-5
20. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-3
21. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-4
24. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-2
26. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
28. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-3
30. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली - 383 का हल

ए	क	रि	श्ता		जा	न	की	बा	जी
क		श्ते		आ	न		र्ति		व
बे	टा		ल		व	ध		कौ	न
चा		अ	व	ता	र		माँ		यु
रा	जा	जी		ल		रा		यु	द्ध
	नू	त	न		स	नी		गां	
क			म	ह	ल		अ	ध	र्म
वि	ना	श	क		मा	या		र	
ता		र्मि		शा		रा	ज		धुं
	मे	ला		दी	वा	ना		क्रो	ध

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

अंकजाल - 384

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	14	21	21		32	21	12	19	
12		7				5		9	22
14	2		5		8		5		23
16		2				9		7	26
21	2		7		5				
				7		9		3	29
26	8		6				6		13
18		2		6		3		7	14
29	8		5				6		18
	21	15	16	30		19	18	22	

अंकजाल 383का हल

	15	19	21		36	16	14	19	
14	2	7	5		8	5	4	9	26
15	7	5	3		8	2	7	3	20
12	4	2	6		7	9	3	7	26
21	2	5	7	2	5				
				7	8	9	2	3	29
26	8	5	6	7		3	6	4	13
18	5	2	5	6		3	4	7	14
29	8	8	5	8		6	4	2	12
	21	15	16	30		21	16	16	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 384

शब्द जाल में 'अ' से शुरु होने वाले 10 शब्द ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अवधी, अवकाश, अवतार,अर्चना,असलियत, अखबार, अभिलाषा, अवलोकन,अशोकचक्र, अहिंसा.

म	अ	मु	ग	ल	ए	अ	व	धी	ल	ध
द	अ	व	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	ड़
र	स	ल	का	दी	व	स	अ	कां	ख	र
जी	लि	ल	प	श	ता	स	द	ह	बा	ल
त	य	अ	अ	र	र	अ	गु	ख	प	दे
क	त	अ	शो	त	अ	भि	अ	न	श	जू
क	स	अ	क	अ	न	ला	द	शा	जू	व
द	अ	ल	च	व	जी	षा	ऐ	बें	प	सा
क	बा	ना	क्र	त	क	छ	प्प	न	हिं	जू
क	र्च	बा	तें	व	न	ज	द	अ	जू	व
अ	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

शब्दजाल - 383 का हल

ची	अ	मे	रि	का	पा	तू	फा	न	प	क
न	खु	क	प	इं	डो	ने	शि	या	ड़	क
अ	दा	जा	ला	र	ग	स	द	ह	प	का
जी	ग	ल	पा	ब	दू	स	पा	ह	लि	ल
त	ना	अ	सौ	न	जा	ला	कि	या	प	दे
आ	इ	इ	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	बां
ग	जी	ल	ह	व	प	रि	न	व	प	ग
र	रि	भा	र	त	प	स	रा	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	न	ज	जी	शा	जू	दे
र	ग	ल	प	व	सिं	ब्रा	स्र	अ	प	श
बां	स	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	क	र

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मतदान के हकदारों से न हो अन्याय

मतदान के हकदारों से न हो अन्याय मतदाता सूची को त्रुटियों से रहित बनाने का काम निश्चित तौर पर संवैधानिक रूप से सही है, लेकिन विपक्षी दलों की ओर से इसके औचित्य पर सवाल उठाने के भी अपने आधार हैं.

हमें फॉलो करें इसमें कोई दोराय नहीं कि देश की लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करने के लिए होने वाले चुनाव में सभी वैध मतदाताओं को मतदान का अधिकार होना चाहिए और नियम के मुताबिक अपात्र लोगों को मतदाता सूची से हटाया जाना चाहिए. इस दृष्टि से बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश के मायने समझे जा सकते हैं. सवाल है कि अगर इस सूची को दुरुस्त करने के क्रम में किसी मजबूरी या अन्य परिस्थितियों की वजह से वैसे लोग भी मतदान के अधिकार से वंचित हो जाते हैं, जो वास्तव में इसके हकदार हैं, तो इसकी जवाबदेही किस पर होगी. यह सही है कि समय-समय पर अलग-अलग वजहों से अपात्र हो चुके लोगों को मतदाता सूची से बाहर करने की जरूरत होती है. लेकिन अब नई परिस्थितियों में जिस तरह चुनाव आयोग ने सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया की शुरुआत की है, उसमें इस बात की आशंका खड़ी हो गई है कि क्या इसमें बड़ी तादाद में वैसे लोग भी मतदान के लिए अपात्र करार दिए जाएंगे, जिनके पास आयोग की ओर से मांगे गए दस्तावेज किन्हीं वजहों से उपलब्ध नहीं हैं! मतदाता सूची को त्रुटियों से रहित बनाने का काम निश्चित तौर पर संवैधानिक रूप से सही है, लेकिन विपक्षी दलों की ओर से इसके औचित्य पर सवाल उठाने के भी अपने आधार हैं. आयोग की ओर से इस सूची में बने रहने के लिए जिन स्वीकार्य दस्तावेजों को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है, बिहार के बहुत सारे लोगों को लिए यह एक बेहद मुश्किल काम होगा.ऐसे लोगों की भी संख्या अच्छी-खासी होगी, जिनके पास खुद को सही साबित करने के लिए जरूरी दस्तावेज नहीं होंगे और अगर वे इन्हें नए सिरे से बनवाने के काम में लगेंगे तो इसके लिए समय की जरूरत होगी.

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 05 जुलाई 2025

जबलपुर राष्ट्रबाण

● सोहगपुर ● ब्योहारी ● जयसिंहपुर ● जैतपुर

जबलपुर में बहा गैस सिलेंडर से भरा ट्रक

ड्राइवर-क्लीनर ने कूदकर बचाई जान; पहले भी बह चुका एक वाहन, अब पुलिस दोनों को ढूंढ़ रही

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर से 30 किलोमीटर दूर ग्राम सलैया में शुक्रवार सुबह गैस सिलेंडर से भरा एक ट्रक तेज बहाव में बह गया। हादसे के वक्त ट्रक पुल पार कर रहा था। पानी का बहाव इतना तेज था कि ट्रक बीच पुल में ही फंसकर बहने लगा। गनीमत रही कि ड्राइवर और क्लीनर वक्त रहते कूद गए। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया जो मौजूद ग्रामीणों ने बनाया था। घटना की जानकारी लगते ही बरेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। प्रशासन अब क्रेन की मदद से ट्रक को बाहर निकालने की तैयारी में है। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि

नहीं हुई है, लेकिन मामला गंभीर है क्योंकि ट्रक में घरेलू गैस सिलेंडर भरे हुए थे।

ग्रामीणों ने रोका, लेकिन ड्राइवर नहीं माना

हादसा सुबह करीब 11.30 बजे हुआ। ट्रक जबलपुर से बरेला होते हुए कंडम की ओर जा रहा था। जब वह ग्राम सलैया के पास पहुंचा, तो पुल पर पानी भरा हुआ था।वहां मौजूद ग्रामीणों ने ट्रक ड्राइवर को पुल पार करने से मना किया, लेकिन ड्राइवर ने ग्रामीणों की बात अनसुनी कर दी। वह ट्रक लेकर पानी में उतर गया। जैसे ही ट्रक पुल के बीच पहुंचा, तेज बहाव में फंस गया और धीरे-धीरे बहने लगा। स्थिति को भांपते हुए चालक और क्लीनर ट्रक से कूद गए। दोनों किसी तरह किनारे आ गए और सुरक्षित हैं।

पहले भी बहा था एक ट्रक, अब दोनों की तलाश

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि गैस सिलेंडर से भरे ट्रक से पहले एक और ट्रक बहा था, जो भूसे से भरा हुआ था। पुलिस और प्रशासन दोनों ट्रकों की तलाश में जुटे हैं। एएसपी के मुताबिक, गनीमत रही कि सिलेंडरों में कोई रिसाव या ब्लास्ट जैसी स्थिति नहीं बनी। जिस पुल पर यह हादसा हुआ, वह इंदौर डेवलपमेंट अथॉरिटी की बिल्डिंग के पास है। यहां अक्सर नशाखोरी और विवाद की घटनाएं सामने आती हैं, इसलिए पुलिस की ड्यूटी यहां नियमित रूप से रहती है। ग्रामीणों ने बताया कि अगर यही घटना सामान्य दिनों में होती, तो आसपास के लोग सिलेंडरों को लूट लेते। फिलहाल बरेला थाना पुलिस की निगरानी में राहत कार्य जारी है। पुल पर पानी कम होने के बाद क्रेन से ट्रक को बाहर निकाला जाएगा।

कोर्ट उठने तक सजा के खिलाफ 42 साल कानूनी लड़ाई

3596 रुपए के गबन मामले में 86 साल के बर्खास्त शिक्षक को हाईकोर्ट से राहत

जबलपुर। राष्ट्रबाण

42 साल की कानूनी लड़ाई, बर्खास्तगी, सामाजिक उपेक्षा और आर्थिक तंगी के बीच डटे एक बुजुर्ग शिक्षक को आखिरकार न्याय मिला। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में रहने वाले 86 साल के मानकराम सूर्यवंशी को हाईकोर्ट से वह राहत मिली है, जिसकी उम्मीद में उन्होंने चार दशकों तक अदालतों के चक्कर काटे। 1983 में गंभीर आरोप के बाद उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। पेंशन भी रोक दी गई। अब हाईकोर्ट ने उन्हें क्लीन चिट दे दी है। वे बिना नोटिस दिए बर्खास्तगी को चुनौती देने शिक्षा विभाग के खिलाफ याचिका दायर करने का कह रहे हैं।

शिक्षक और पोस्ट ऑफिस में एजेंट भी थे

शासकीय स्कूल रतेड़ा, बैतूल में पदस्थ मानकराम की नौकरी 1972 में लगी थी। वे बच्चों को पढ़ाने के साथ-साथ पोस्ट ऑफिस में एजेंट के रूप में भी काम करते थे, जिसमें उन्हें कमीशन मिलता था। डाकघर दूर होने के कारण मानकराम ग्रामीणों से पैसे लेकर सप्ताह में एक दिन पोस्ट ऑफिस में जमा कर देते थे। 1984 में रतेड़ा गांव के किसान कन्हैया साहू ने 3,596 रुपए जमा करने के लिए दिए थे। दो दिन बाद कन्हैया को पैसों की आवश्यकता पड़ी, तो वे पैसा निकालने डाकघर पहुंचे, जहां पता चला कि उनका पैसा जमा नहीं हुआ है। इसकी शिकायत उन्होंने थाने में कर दी। बैतूल पुलिस ने मानकराम के खिलाफ आईपीसी की धारा 409 के तहत मामला दर्ज किया। 28 जनवरी 1993 को केस की सुनवाई सेशन कोर्ट में हुई, जहां कोर्ट ने उन्हें %कोर्ट उठने तक% की सजा सुनाई। मानकराम ने इस आदेश को एडीजे कोर्ट में चुनौती दी। एडीजे कोर्ट ने सितंबर 2000 में सुनवाई की और सेशन कोर्ट से दी गई सजा को यथावत रखा।

2000 में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में चैलेंज किया

बैतूल सेशन और एडीजी कोर्ट से मिली सजा को मानकराम ने नहीं माना और 2000 में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में चैलेंज किया। 2025 में मानकराम की याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता के वकील मोहन शर्मा ने कोर्ट को बताया कि बिना किसी आधार के दोषी ठहराया गया, क्योंकि आवेदक को दोषी ठहराने के लिए रिकॉर्ड पर कोई सामग्री या सबूत नहीं था। वकील ने तर्क दिया कि ट्रायल कोर्ट ने आवेदक को केवल इस आधार पर दोषी ठहराया है कि उन्होंने डाकघर के लिए मिली राशि को पासबुक और रजिस्टर में चढ़ाया नहीं था।

पोस्ट ऑफिस में एक साथ जमा करते थे रुपए

मानकराम सप्ताह भर ग्राहकों से रुपए एकत्रित करते और फिर हफ्ते के अंत में शनिवार को पोस्ट ऑफिस में जमा करते थे। किसान कन्हैया साहू ने मंगलवार को मानकराम को पैसे दिए और फिर गुरुवार को जब रुपए निकालने पहुंचे तो खाते में 3596 रुपए की एंट्री नहीं थी, जिसके चलते उन्होंने कोतवाली थाने में मानकराम के खिलाफ गबन की शिकायत दर्ज करवा दी, इधर हर बार की तरह सप्ताह के अंत में शनिवार को मानकराम ने पूरे पैसे जमा कर दिए, पर तब तक पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

एफआईआर हुई तो नौकरी से निकाल दिया

पुलिस में एफआईआर दर्ज होते ही शिक्षा विभाग ने बिना जांच के ही कोर्ट की सजा को आधार मानते हुए 1986 में मानकराम को प्राथमिक शिक्षक के पद से बर्खास्त कर दिया। उस समय मानकराम की उम्र लगभग 44 वर्ष थी और उनके पास 15 साल की नौकरी का अनुभव था। वे एक ऐसे अपराध की सजा भुगत रहे थे, जो उन्होंने किया ही नहीं था। नौकरी जाने के बाद उनका पोस्ट ऑफिस का एजेंट का काम भी बंद हो गया। शिक्षा विभाग ने न केवल उन्हें बर्खास्त किया, बल्कि उन्हें पेंशन भी नहीं दी।

23 साल हाईकोर्ट में मामला रहा पेंडिंग

बैतूल निवासी मानकराम ने जिला कोर्ट के आदेश को साल 2000 में हाईकोर्ट में चैलेंज किया था, तब से लेकर 2023 तक यह मामला लंबित रहा। 2023 में एडवोकेट मोहन शर्मा ने मानकराम के केस की एक बार फिर पैरवी शुरू की। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस एमएस भट्टी ने निचली अदालतों के सभी आदेशों को खारिज करते हुए मानकराम सूर्यवंशी को दोष मुक्त कर दिया है।

शिक्षा विभाग के खिलाफ दायर होगी याचिका

मानकराम के एडवोकेट मोहन शर्मा का कहना है कि 42 साल तक उन्होंने कानूनी लड़ाई लड़ी, जिसमें उन्हें जीत मिली है। शिक्षा विभाग ने याचिकाकर्ता को गलत तर्क के साथ नौकरी से अलग करते हुए उनका फंड, पेंशन और ग्रेज्युटी रोक दी थी। लिहाजा अब मानकराम के पक्ष में जब हाईकोर्ट का फैसला आया है, तो शिक्षा विभाग से वो पूरा कॉम्पेनसेशन मांगेंगे।

ओबीसी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का एमपी सरकार से सवाल

13 प्रतिशत पद होल्ड हैं, इन पर नियुक्तियों में क्या दिक्कत है; मुख्य सचिव से एफिडेविट मांगा

जबलपुर। राष्ट्रबाण

एमपी में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27त्न आरक्षण लागू करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव से एफिडेविट मांगा है कि जो 13त्न पद होल्ड हैं, उन पर नियुक्तियों में क्या दिक्कत है। सरकार ने साल 2019 में ओबीसी को 27त्न आरक्षण देने के लिए एक्ट पास किया गया था, लेकिन अमल में नहीं आ पाया। कोर्ट नंबर 12 में जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने सुनवाई की। यह केस सीरियल नंबर-35 पर लगा था। याचिकाकर्ता ओबीसी महासभा की ओर से एक बार फिर से मप्र की 51 प्रतिशत ओबीसी होने की दलील दी गई। मामले में मप्र हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर करीब 70 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में पहुंची हैं, उन्हीं पर आगे सुनवाई होगी। तत्काल आरक्षण देने संबंधी इस याचिका में अभी कोई राहत नहीं मिली है।

ओबीसी आरक्षण वाले मामले सरकार का पक्ष

13त्न होल्ड पदों पर ज्वाइनिंग देने मामले में जो याचिका लगाई गई है उसमें आज कोर्ट ने बहस के दौरान कहा कि पहले से 50 से ज्यादा याचिकाएं कोर्ट में विचाराधीन हैं तो इस पिटिशन पर सुनवाई की जरूरत नहीं है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि 27त्न ओबीसी आरक्षण के मामले में कोई कानूनी रोक नहीं है। मध्य प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में 27त्न के हिसाब से विज्ञापन जारी किए गए थे, लेकिन भर्ती में 13त्न पद होल्ड हैं। ऐसे में इस याचिका को सुना जाए। इस पर कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने इस याचिका की सुनवाई मेन पिटिशन में टैग कर दी है। इसकी सुनवाई मुख्य याचिका के साथ होगी।

पत्नी को कॉल किया बोला-तलाक, तलाक, तलाक

मैं किसी ओर से मोहब्बत करता हूं; थाने पहुंची पीड़िता, कहा-माफ किया लेकिन नहीं सुधरा

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर में तीन तलाक का एक मामला सामने आया है। महज दो महीने पहले, रिश्तेदारों और परिवार की रजामंदी से हुए निकाह के बाद युवक ने अपनी पत्नी को फोन पर तीन बार ÷तलाक-तलाक-तलाक÷ कहकर छोड़ दिया। पीड़िता ने अपने पति को बहुत समझाया, लेकिन उसने यह कहकर बात खत्म कर दी कि वह किसी और लड़की से मोहब्बत करता है और उससे मजबूरी में निकाह किया था। गुरुवार रात पीड़िता गोहलपुर थाने पहुंची और पति सहित सास-ससुर के खिलाफ मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई।

शौहर बोला: मुझे कोई और पसंद है

24 वर्षीय पीड़िता गोहलपुर क्षेत्र की निवासी है। उसका मई में निकाह हुआ था। लड़की के परिवार ने अपनी हैसियत के मुताबिक दहेज भी दिया। निकाह के समय दोनों परिवार खुश थे, लेकिन शादी के

लगभग 20 दिन बाद ही युवती को शक हुआ कि उसके शौहर का किसी और लड़की से अफेयर है। वह रात-भर मोबाइल पर छिपकर बात करता था। जब युवती ने इसका विरोध किया, तो पहले तो पति ने इनकार किया, लेकिन एक दिन रंगे हाथों छत पर बात करते हुए पकड़े जाने पर उसने स्वीकार किया कि वह जबलपुर की एक लड़की से पहले से प्रेम करता है और घरवालों के दबाव में आकर शादी की थी।

पीड़िता ने कहा: माफ किया, फिर भी नहीं सुधरा

शादी के कुछ ही दिन बाद जब पीड़िता ने पति को किसी और से बात करते देखा, तो उसे समझाने की कोशिश की। लेकिन पति के साथ ही सास और ससुर ने भी उसके साथ मारपीट की। इससे आहत होकर पीड़िता ससुराल छोड़ मायके लौट आई और अपने माता-पिता को पूरी बात बताई। निकाह समाज के बुजुर्गों की मौजूदगी में हुआ था, इसलिए उन्होंने परिवार को समझाने की कोशिश की, लेकिन ससुरालवालों ने उसे वापस रखने से इनकार कर दिया और उस पर झूठ बोलने का आरोप लगाया।

बुधवार को किया फोन: तलाक, तलाक, तलाक

पीड़िता ससुराल में सिर्फ 20 दिन ही रह पाई थी। पति की प्रताड़ना से तंग आकर वह मायके लौट आई थी। इसके बाद उसने कई बार फोन पर अपने पति से सुलह की कोशिश की और उसे अपनी गलती सुधारने का अवसर भी दिया, लेकिन शाहरुख ने यह कहकर मना कर दिया कि वह किसी और से प्यार करता है। बुधवार की रात उसने पीड़िता को फोन कर कहा ङ्क फ़तलाक, तलाक, तलाकज अब हमारा कोई रिश्ता नहीं रहा। मैंने तुम्हें छोड़ दिया है। गुरुवार दोपहर पीड़िता के माता-पिता ने शाहरुख के परिवार से मिलकर मामले को सुलझाने की कोशिश की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका।

वह खूबसूरत है, मैं उससे प्यार करता हूं: पति का दावा

गुरुवार रात गोहलपुर थाने पहुंची पीड़िता ने बताया कि निकाह के शुरुआती दिनों में सब कुछ ठीक था। उसका पति शाहरुख आर्मी की कोबरा कैंटीन में प्राइवेट जॉब करता है। वह देर रात घर आता और घंटों मोबाइल पर बात करता था। जब उसने इसका कारण पूछा तो पति ने बहाना बना दिया, और जबरन पूछताछ करने पर मारपीट करने लगा। एक दिन उसने साफ कह दिया, फ़मैं किसी और से प्यार करता हूं और उससे शादी करना चाहता हूं। आरोपी ने पीड़िता को उस लड़की की तस्वीर भी दिखाई।

पुलिस ने मामला दर्ज किया, जल्द होगी गिरफ्तारी

पीड़िता की शिकायत पर गोहलपुर थाना पुलिस ने आरोपी शाहरुख, उसकी मां गुड़िया फातिमा और पिता यूनिस के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ब्न्ह्रस) की धारा 85, 3(5), 4, 3, 4 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी (एसआई) ने बताया कि 24 वर्षीय युवती ने गुरुवार रात थाने पहुंचकर तीन तलाक और प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

जेडीए कॉलोनी में तीसरी मंजिल से गिरा युवक

भाई बोला-आत्महत्या नहीं हत्या है, पुलिस ने शुरू की जांच

जबलपुर। राष्ट्रबाण

नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में हाउस कीपिंग का काम करने वाले 22 वर्षीय युवक दीपक लाहोरी की गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात जेडीए की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। घटना रात करीब 2 बजे की है। मृतक के भाई भवानी ने इसे हत्या बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि उसे बिल्डिंग से फेंका गया है। संभागीय गश्त कर रहीं एसआई सरिता पटेल घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंचीं और गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले गईं, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर

दिया। दीपक भैरव नगर जबलपुर में रहता था और दो माह से अपने दोस्त विशाल के साथ जेडीए कॉलोनी में रह रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक का भाई भवानी देर रात मौके पर पहुंच गया। उसने आरोप लगाया कि जब दीपक छत पर गिरा, उस समय उसके साथ करण नाम का युवक और एक अज्ञात लड़की भी थे। उसने बताया कि मेडिकल कॉलेज में काम करने के कारण वह दोस्त विशाल के साथ रह रहा था और यहीं से काम पर आया-जाया करता था। भवानी ने बताया कि रात करीब दो बजे विशाल ने उसे तीसरी मंजिल से गिरते हुए देखा था। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला करण एक लड़की के साथ खड़ा था। भवानी का कहना है कि उसका भाई कभी भी आत्महत्या नहीं कर सकता है, क्योंकि उसकी जॉब अच्छी चल रही थी, उसे किसी तरह की कोई परेशानी भी नहीं थी।

एसआई सरिता पटेल का कहना है कि मृतक के भाई ने कुछ लोगों के नाम बताए हैं, उससे पूछताछ की जाएगी। घटनास्थल तिलवारा थाना पुलिस के अंतर्गत आता है, इसलिए आगे की जांच वहीं से होगी।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को मिलेंगे 10 नए न्यायाधीश, जबलपुर से दो वकील शामिल

जबलपुर। राष्ट्रबाण

सुप्रीम कोर्ट कालेजियम ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में 10 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की केंद्र से अनुशंसा की है। राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद इनकी नियुक्ति की विधिवत अधिसूचना जारी की जाएगी। जिन नामों की अनुशंसा की गई है, उनमें से पांच न्यायिक सेवा से और इतने ही वकीलों के बीच से हैं। जिन नामों की अनुशंसा की गई है, उनमें से दो जबलपुर के वकील हैं। पुष्पेंद्र यादव वर्तमान में डिप्टी सालिसिटर जनरल पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। जबकि अधिवक्ता जय कुमार पिल्लई लंबे समय से जबलपुर में वकालत कर रहे हैं। अन्य दो अधिवक्ता आनंद सिंह बहरावत और हिमांशु जोशी इंदौर से हैं। अजय कुमार निरंकारी वर्तमान में ग्वालियर में वकालत कर रहे हैं।

इन न्यायिक अधिकारियों के नामों की सिफारिश

सुप्रीम कोर्ट कालेजियम ने जिन पांच न्यायिक अधिकारियों को मप्र हाई कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की सिफारिश की है, उनमें राजेश कुमार गुप्ता, आलोक अवस्थी, रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन, भगवती प्रसाद शर्मा और प्रदीप मित्तल के नाम शामिल हैं।

पद्मश्री मुनीश्वर चंद्र डावर ने 79 साल की उम्र में ली आखिरी सांस, 53 साल किया इलाज

20 रूपए में इलाज वाले जबलपुर के डॉक्टर का निधन

जबलपुर। राष्ट्रबाण

पद्मश्री से सम्मानित मध्यप्रदेश के 79 वर्षीय डॉक्टर मुनीश्वर चंद्र डावर का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। जबलपुर के मदनमहल क्षेत्र में रहने वाले डॉक्टर एमसी डावर बीते कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। जबलपुर में जैसे ही डॉक्टर डावर के निधन की जानकारी लगी, वैसे ही लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। जबलपुर में इन्हें गरीबों का मसीहा कहा जाता था, वजह यह थी कि पूरी जिंदगी लाखों मरीजों का इलाज करने वाले डॉक्टर आज भी सिर्फ 20 रुपए की फीस लेकर इलाज किया करते थे। डॉक्टर डावर को 2023 में पद्मश्री से

सम्मानित किया गया था। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें यह सम्मान दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब जबलपुर दौरे पर आए थे तो व्यक्तिगत रूप से उन्होंने केवल डॉक्टर डावर से ही मुलाकात की थी।

2 रुपए में जटिल से जटिल इलाज

डॉक्टर डावर ने 1972 से मरीजों का इलाज करना शुरू किया था। डॉक्टर डावर ने 14 साल तक लोगों से मात्र 2 रुपए फीस ली, और उनका इलाज किया। 1986 में उनकी तबीयत खराब हुई, उनकी जगह दूसरे डॉक्टर उनकी क्लिनिक में आकर बैठने लगे तो उन्होंने 2 रुपए की जगह 3 रुपए फीस कर दी, इसके बाद डॉक्टर डावर भी जब क्लिनिक आए तो फीस 3 रुपए ही थी। 11 साल तक 3 रुपए फीस ली। 1997 के बाद जब चिल्लर की समस्या आने लगी तो फीस 5 रुपए कर दी गई। 15 साल तक मात्र 5 रुपए लेकर मरीजों का इलाज करते रहे। नेता जी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना ने बताया कि उनके निधन पर आज पूरा डॉक्टर जगत शोक में है। डॉक्टर डावर सभी चिकित्सकों के लिए आदर्श थे। उन्होंने अपने जीवन काल में इलाज करते हुए बताया कि लोगों का इलाज करना, उनकी जान बचाना मानवीय कर्म है, ना कि इलाज करने के लिए सिर्फ फीस को महत्व देना। डीन डॉक्टर नवनीत सक्सेना ने बताया कि आज उनके निधन से ना सिर्फ जबलपुर,बल्कि मध्यप्रदेश और देश को अपूर्ण क्षति हुई है।

पाकिस्तान में हुआ था जन्म

डॉक्टर एमसी डावर का जन्म पाकिस्तान में हुआ था, देश में हुए बंटवारे के बाद उनका परिवार जबलपुर आ गया था। पिता के निधन के समय उनकी उम्र सिर्फ 2 साल की थी। डॉक्टर का बचपन बहुत गरीबी में बीता। पढ़ाई सरकारी स्कूल में हुई थी। जालंधर में भी पढ़ाई की, इसके बाद जबलपुर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री पूरी करने के बाद, कुछ दिन ही सेना मे नौकरी भी की, इसके बाद जबलपुर आ गए और शहर के महानद्दा में एक छोटी सी क्लिनिक शुरू कर प्रैक्टिस करने लगे।

जबलपुर के मंदिरों के लिए ड्रेस कोड हुआ लागू

जबलपुर। राष्ट्रबाण

सावन मास की शुरुआत से पहले जबलपुर के मंदिरों में एक बार फिर ड्रेस कोड को लेकर बहस तेज हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा शहर के 30 से अधिक प्रमुख मंदिरों में चिपकाए गए 'मर्यादित वस्त्र पहनने' के पोस्टर इन दिनों आमजन की चर्चा का विषय बन गए हैं।

मंदिर में अमर्यादित कपड़े न पहनें

दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया तिवारी का कहना है कि मंदिरों में सभी को उत्तम आचरण के साथ वस्त्र भी मर्यादित पहनने चाहिए। इससे न केवल हमारी संस्कृति झलकती है, बल्कि अन्य दर्शनार्थियों की भावनाओं को ठेस भी नहीं पहुंचती। अध्यक्ष तिवारी ने बताया कि इस बारे में दल के महासचिव ने दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके पोस्टर बजरंग दल के कार्यकर्ता मंदिरों के बाहर चिपका रहे हैं। उन्होंने बताया कि जबलपुर के 30 से ज्यादा बड़े मंदिरों के बाहर यह पोस्टर चिपकाए गए हैं। इनमें भारतीय संस्कृति को बचाने का निवेदन किया गया है।

क्या कहा गया है पोस्टरों में?

जारी किये गए पोस्टर में लिखा है कि मंदिर में महिलाएं और लड़कियां सिर ढक कर ही आएं। भारतीय संस्कृति के अनुरूप ही कपड़े पहनकर मंदिर में प्रवेश करें। संस्कृति बचाने की जिम्मेदारी आपकी ही है। पोस्टर में आगे लिखा है कि मंदिर में बरमूडा, हाफ पैंट, टी-शर्ट, जींस, टॉप, नाइट सूट और मिनी स्कर्ट जैसे अमर्यादित कपड़े न पहनें। अंत में लिखा है कि इसे अन्यथा न लें, भारतीय संस्कृति आपको ही बचाना है। इसके पहले भी जबलपुर के मंदिरों में इसी तरह के पोस्टर चिपकाये जाते रहे हैं। हालांकि, अब तक किसी भी मंदिर में किसी भक्त के साथ कोई सख्ती नहीं की गई है। लेकिन इस बार ये पोस्टर लोगों का खासा ध्यान आकर्षित कर रहे है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 5 जुलाई 2025

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

आदिवासी युवकों से ठेकेदार ने की मारपीट

ग्रामीणों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचकर पीड़ित युवकों, एवं महिला ने की शिकायत

दूसरे मामले में महिला ने ठेकेदार के खिलाफ छेड़छाड़ के लगाए आरोप

बैतूल। राष्ट्रबाण

आठनेर क्षेत्र में आदिवासी युवकों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इसके अलावा एक अन्य महिला ने भी ठेकेदार के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत की है। ठेकेदार की अभद्रता से आक्रोशित ग्रामीण शुक्रवार 4 जुलाई को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

आठनेर थाना क्षेत्र के ग्राम मानी निवासी रूपेश ठाकरे पिता रामभरोसे ठाकरे एवं अर्जुन भुसुमकर पिता गणेश भुसुमकर ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत की है कि 27 जून को रात लगभग 8 बजे जब वे मानी से आमढाना पिकअप वाहन से मजदूरों को छोड़ने जा रहे थे, तब आठनेर निवासी ठेकेदार राजेश अवस्थी ने रास्ते में उन्हें रोक लिया। पहले तो उनके मजदूरों को जबरन पैदल भेज दिया और फिर आवेदक रूपेश ठाकरे के साथ बुरी तरह मारपीट की। रूपेश ने बताया कि उसके दोनों कान पर 20-25 थप्पड़ मारे गए जिससे एक कान से अब सुनाई देना बंद हो गया है। इसके अलावा जिस पैर में रॉड लगी हुई है, वहां भी ठेकेदार ने लात-घूंसे मारे। रूपेश ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार ने उसे जातिसूचक अपशब्द कहे। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। उन्होंने बताया कि जिस रोड से वे जा रहे थे, वह रोड उनके खेत की ओर जाता है और उसी पर निर्माण कार्य चल रहा है, जिसका ठेका राजेश अवस्थी के पास है।

इसी घटना में पीड़िता निशा ठाकरे ने भी ठेकेदार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में बताया कि घटना की रात यानी 27 जून को वे अपने पति के साथ मोटरसाइकिल से बैतूल से मानी जा रही थीं। रात करीब 9 से 10 बजे के बीच जब वे डंगरापाठा और गारगुड़ के बीच पहुंचीं, तब राजेश अवस्थी शराब के नशे में अपनी कार से अपने साथियों के साथ आया और उनकी बाइक को टक्कर मारकर कुचलने की कोशिश की।

महिला ने लगाए अभद्रता के आरोप

पीड़िता ने बताया कि उसके पति ने बड़ी मुश्किल से बाइक मोड़कर जान बचाई। इसके बाद आरोपी ने कार रोककर दोनों के साथ मारपीट की। महिला ने आरोप लगाया कि इसी दौरान अनावेदक ठेकेदार ने उनके साथ अभद्रता की। पीड़िता निशा ठाकरे ने बताया कि वह और पूरा परिवार डरा और सहमा हुआ है। बच्चे तक घर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 29 जून को जब वे आठनेर थाने में शिकायत दर्ज कराने गए तो एफआईआर नहीं लिखी गई। 3 जुलाई को दोबारा जाने पर भी न एफआईआर हुई, न उसकी कॉपी दी गई। इन दोनों ही मामलों में पीड़ित पक्ष ने आदिवासी समुदाय के साथ जातीय उत्पीड़न, महिला से छेड़छाड़, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न होने पर मंगलवार को दोनों पीड़ित एसपी कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने लिखित आवेदन सौंपकर आरोपित राजेश अवस्थी के खिलाफ आदिवासी अत्याचार निवारण अधिनियम (पेसा एक्ट) सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। पीड़ितों की मांग है कि पुलिस तत्काल एफआईआर दर्ज कर ठेकेदार को गिरफ्तार करे और उन्हें तथा उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बजरंग दल ने श्री दक्षिण मुखी बाल हनुमान मंदिर में की सफाई

बैतूल। राष्ट्रबाण

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा 1 जुलाई से 7 जुलाई तक पूरे प्रांत में सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में बैतूल नगर स्थित श्री दक्षिण मुखी बल हनुमान मंदिर परिसर में सफाई एवं पौधरोपण किया गया। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के प्रांत गौ रक्षा प्रमुख श्री कृष्णकांत गावंडे ने बताया कि सेवा सप्ताह के तहत मंदिर परिसर को साफ-सुथरा किया गया और पौधे लगाए गए। इस दौरान उन्होंनें सेवा सप्ताह के महत्व को बताते हुए अधिक से अधिक सेवा कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज में स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए यह अभियान आवश्यक है। इस अवसर पर प्रांत गौरक्षा प्रमुख कृष्णकांत गावंडे, जिला सह मंत्री राजू ठाकुर, जिला सह मंत्री मनीष सिंह रघुवंशी, जिला सह संयोजक यश वर्मा, प्रखंड संयोजक हिमांशु ठाकुर, प्रखंड गौरक्षा प्रमुख कुणाल पाटिल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय रोजगार मेला 11 जुलाई को

बैतूल। जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बैतूल के संयुक्त तत्वावधान में 11 जुलाई को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में युवा संगम के तहत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन प्रात: 11 बजे से किया जाएगा।

कोटवार ने जेसीबी से बंद किया रास्ता

बाडिया खापा के किसानों ने की शिकायत

मुलताई। राष्ट्रबाण

ग्राम पंचायत बाडिया खापा तहसील मुलताई के किसानों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि वर्षों पुराने पैतृक रास्ते को गांव के कोटवार द्वारा जेसीबी चलाकर बंद कर दिया गया है। इससे किसान अपने खेतों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं और खेती की तैयारी ठप हो गई है। रास्ता बंद होने से मवेशियों को भी लाना-ले जाना मुश्किल हो गया है। किसानों ने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कर रास्ता बहाल किया जाए।

ग्राम के समस्त कृषकों ने कलेक्टर बैतूल को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया है कि ग्राम कोटवार अनुज पिता जसराम ने वर्षों पुराने उनके खेतों तक जाने वाले रास्ते को जेसीबी मशीन चलवाकर खुदवा दिया है। कोटवार ने नाली और पत्थरों से रास्ता पूरी तरह बंद कर दिया है, जिससे कई किसानों के खेतों में इस वर्ष बुवाई तक नहीं हो पाई है।

किसानों का कहना है कि उनकी पैतृक कृषि भूमि ग्राम बाडिया खापा के खसरा नम्बर 308/1 एवं 308/2 में स्थित है। यह भूमि पूर्व में कुसना वल्द जयराम की थी, जिसे शासन द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया था और ग्राम कोटवार को आवंटित की गई थी। किसानों ने बताया कि वे इस भूमि से अपने पूर्वजों के समय से लगातार आना-जाना और खेती करते आ रहे हैं।

अब कोटवार अनुज द्वारा इस रास्ते को रोक देने से खेत तक पहुंचना बंद हो गया है, मवेशियों को भी ले जाना मुश्किल हो गया है। किसानों ने प्रशासन से इस मामले में तत्काल जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि कोटवार द्वारा किया गया यह कार्य अन्यायपूर्ण है।

ग्रामीणों ने इस बात पर भी नाराजगी जताई है कि खेतों की बुवाई का समय निकल रहा है और रास्ता नहीं खुला तो उनकी आजीविका संकट में पड़ सकती है। ऐसे में कलेक्टर बैतूल से मांग की गई है कि कोटवार अनुज के खिलाफ कार्रवाई कर पुराने रास्ते को यथाशीघ्र बहाल कराया जाए ताकि किसान अपनी खेती और पशुपालन का कार्य बिना बाधा के कर सकें।

प्रभारी मंत्री ने बस दुर्घटना में घायलों से की मुलाकात

बैतूल। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा जिले के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने शुक्रवार मुलताई के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती बस दुर्घटना के घायलों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय पर घायलों को अस्पताल पहुंचाने और त्वरित उपचार व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर घायलों को आवश्यकतानुसार बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें शीघ्र स्वस्थ किया जा सके।

पट्टा नहीं होने से शासन की योजनाओं से वंचित हो रहे ग्राम माथनी के गरीब परिवार

2001-2016 के पट्टों की जांच कराने की मांग, ग्रामीणों ने उठाई आवाज

सरपंच-सचिव पर पट्टा वितरण में गड़बड़ी का आरोप

बैतूल। राष्ट्रबाण

गांव में ज़मीन तो है, लेकिन उसके कागज़ नहीं। और जब तक कागज़ नहीं, तब तक सरकारी योजनाओं के दरवाज़े भी बंद हैं। ग्राम पंचायत माथनी के कई गरीब परिवार आज भी ऐसे ही हालात में जी रहे हैं, न मकान का पट्टा, न सरकारी मदद। वर्ष 2001 से 2016 के बीच जिन परिवारों को सरकारी पट्टा मिलना चाहिए था, वो ऐसे लोगों को दे दिए गए जिनके पास पहले से ज़मीन है। असल जरूरतमंद ग्रामीण अब मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन और किसान सम्मान निधि जैसी कई योजनाओं से वंचित हैं। पट्टा नहीं होने के कारण न तो बैंक से लोन मिल रहा है, न ही मकान बनाने की अनुमति। ग्राम पंचायत माथनी के गरीब भूमिहीन परिवार आज भी इंतज़ार की कतार में खड़े हैं। अब गांव के जागरूक लोगों ने मोर्चा खोल दिया है और मांग की है कि जांच हो, गड़बड़ियां उजागर हों और दोषियों पर कार्रवाई हो। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर जल्दी कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे। यह मामला अब पंचायत से निकलकर तहसील और जिला मुख्यालय तक पहुंच चुका है, जहां प्रशासनिक हलकों में भी हलचल देखी जा रही है।

शिकायतकर्ता दिनेश नागले, गोलू खादीपूरे, अमन, बबलू, मयाराम, भोलासिंह, शिवांगी राजपूत, रघुनाथ सिंह, सुमित, शिखा राठौड़, गोविंद ठाकुर, नारायण सिंह ठाकुर, खेमसिंह राठौड़, संदीप, हरिदास, दिनेश, बलदास सहित अनेक ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से सरपंच व सचिव द्वारा की गई कथित अनियमितताओं का खुलासा किया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 2001 से 2016 के बीच गरीब व पट्टा वंचित परिवारों के लिए स्वीकृत पट्टे उन लोगों को बांटे गए जिनके पास पहले से ही सरकारी पट्टा था। इसका मुख्य लाभ शुरु से ही भूमिधनी परिवारों को पहुंचा, जबकि वास्तविक जरूरतमंद परिवार आज भी अपनी जमीन के कागजात के अभाव में योजनाओं का लाभ नहीं ले पाए। शिकायतकर्ताओं ने सरपंच, सचिव के भ्रष्टाचार की जांच कर पट्टा जारी करने वाले रवि किशन पारधे के पट्टे को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। कहा जा रहा है कि रवि किशन पारधे सहित अन्य कथित अनियमित पट्टाधारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई से गरीबों के हक़ की वसूली सुनिश्चित हो सकेगी। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से अपील की है कि इस मामले की तत्काल जांच की जाए, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रुक सके और असली हक़दारों को पट्टा मिले। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में शिकायत के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई।

गुरु पूर्णिमा तक घर-घर में यज्ञ, योग एवं ध्यान के माध्यम से होगा आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार

बैतूल। राष्ट्रबाण

गुरु पूर्णिमा तक बैतूल जिले में आध्यात्म, योग यज्ञ का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। योग को लेकर महिलाओं में जागरूकता की जो अलख राज्य स्तरीय तीन दिवसीय महिला योग कार्यशाला में जगी थी, वह अब घर-घर तक पहुंच रही है। महिला पतंजलि योग समिति की कर्मठ साधिकाओं ने समाज को नई दिशा के साथ साथ योग को मातृ शक्ति से जोड़ा। अब उसके सकारात्मक परिणाम धरातल पर नजर आने लगे हैं।

इस कार्यशाला के बाद महिला पतंजलि योग समिति ने योग के साथ यज्ञ और आध्यात्म को जोड़कर एक अनूठा अभियान शुरू किया है, जो गुरु पूर्णिमा तक निरंतरता से चलकर पूर्णता लेगा। इस अभियान में घर-घर जाकर योगात्मक यज्ञ, योग एवं ध्यान के माध्यम से आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया जा रहा है।

महिला पतंजलि योग समिति की जिला अध्यक्ष संगीता अवस्थी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यशाला में प्रदेश की महिला योग कार्यकारिणी की योग में समर्पित एवं कर्मठ बहनों ने भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने बैतूल जिले की महिलाओं में योग के प्रति गहरी रुचि और जागरूकता पैदा की। महिलाओं को यह बताया गया कि वे कैसे अपने पारिवारिक जीवन के साथ-साथ योग के जरिए समाज में एक मजबूत भूमिका निभा कर सुदृढ़ता दे सकती है।

कार्यशाला के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि एक सशक्त समाज के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य है और योग इस दिशा में एक महत्वपूर्ण साधन है। बैतूल जिले में महिला पतंजलि योग समिति की सदस्य इस कार्य में तन, मन और धन से पूरी निष्ठा के साथ जुटी हुई हैं। इस अभियान को सफल बनाने में महिला पतंजलि की कई सदस्यों का विशेष योगदान रहा है, जिनमें प्रीति साहू, कल्पना उइके, संगीता तहकीकात , का टीम वर्क सराहनीय रहा मनोरमा भारद्वाज, हर्षा मनोज अग्रवाल, श्रद्धा मालवी, ज्योति जायसवाल, सुरेखा बुंदेले, आठनेर से साधना आवठे, चिचोली से भारती मालवी, रोशनी आर्य, चंद्रभागा भूमरकर और निर्मला गोहिया शामिल हैं।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा, जिसका नेतृत्व हमारी बेटियां करेंगी : प्रभारी मंत्री

बैतूल। राष्ट्रबाण

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सभागार भोपाल से प्रदेश के 94 हजार 324 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25-25 हजार की राशि का अंतरण किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल के मुख्य आतिथ्य में जेएच कॉलेज में आयोजित हुआ। प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत लैपटॉप के लिए 25-25 हजार की राशि से जिले के 1127 छात्र लाभान्वित हुए हैं। आयोजित कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने छात्रा अक्षिता मालवीय, नंदिनी राठौर, मयंक बेले, लक्ष्मी

अतुलकर, स्वाति यदुवंशी, अनीशा बैरागी, लीना यादव, नेहा, रुचि वागद्रे, मानसी पवार को सांकेतिक रूप से चेक और प्रमाण पत्र का वितरण कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर विधायक आमला डॉ.योगेश पंडाग्रे, विधायक मुलताई चंद्रशेखर देशमुख, विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगाबाई उईके, अध्यक्ष जिला पंचायत राजा पवार, उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर, जिला योजना समिति के सदस्य सुधाकर पवार तथा कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल सिंह कुशवाहा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विवेक पांडे सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और उनके अभिभावक उपस्थित रहें।

ग्रामीणों को अब नहीं जाना पड़ेगा तीन किलोमीटर दूर राशन लेने

वलनी में शुरू हुई शासकीय उचित मूल्य राशन दुकान

बैतूल। राष्ट्रबाण

गांव की बेटियों और बुजुर्गों को अब तीन किलोमीटर दूर राशन लेने नहीं जाना पड़ेगा। शासन की योजनाओं का लाभ अब वलनी ग्राम पंचायत में सीधे घर के पास मिलेगा। वर्षों से लंबित मांग आखिरकार पूरी हुई जब ग्रामीणों की आवाज जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाडे तक पहुंची। उनके निरंतर प्रयासों से शासन ने वलनी में शासकीय उचित मूल्य दुकान को स्वीकृति दी। इस दुकान का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उर्मिला गव्हाडे ने ग्राम पंचायत भवन परिसर में किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच निलेश सलामे, जनपद सदस्य साहेबलाल इरपाचे, उपसरपंच पंडरीनाथ

खंडाग्रे, पंचगण केशव पिपरदे, मीरा कुमरे, संगीता पंद्राम, कमलेश इरपाचे, रूपा लहरपुरे, समाजसेवी मधु पिपरदे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और महिलाएं मौजूद रहीं।

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत वलनी में अब तक राशन की दुकान नहीं थी। हितग्राहियों को हर महीने राशन लेने के लिए करीब तीन किलोमीटर दूर रगड़गांव पैदल जाना पड़ता था। इससे बुजुर्गों, महिलाओं और विशेषकर दूर-दराज के गरीब परिवारों को परेशानी होती थी। ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाडे से मांग की थी कि गांव में शासकीय राशन दुकान खोली जाए।।इस मांग को गंभीरता से लेते हुए उर्मिला गव्हाडे ने संबंधित अधिकारियों एवं विभाग से लगातार संपर्क कर शासन से वलनी गांव के लिए नवीन राशन दुकान की स्वीकृति दिलवाई। उनके प्रयासों से शासन ने प्रस्ताव को मंजूरी दी और अब गांव में दुकान शुरू हो चुकी है।

उद्घाटन समारोह में ग्रामीण महिलाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिन्होंने उर्मिला गव्हाडे का धन्यवाद किया और कहा कि अब उन्हें लंबा रास्ता तय नहीं करना पड़ेगा। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीणों की मूलभूत सुविधा के लिए राशन दुकान का संचालन गांव में होना एक बड़ी उपलब्धि है। ग्रामीणों ने शासन और जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाडे का आभार जताया कि उन्होंने गांव की वास्तविक जरूरत को समझते हुए इस दिशा में सार्थक पहल की। समारोह के अंत में ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि दुकान के संचालन में सहयोग बनाए रखेंगे ताकि इसका लाभ सभी पात्र हितग्राहियों तक पहुंच सके।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 05 जुलाई 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

बालाघाट के नदी-नालों में उफान, नैनपुर समेत कई हाईवे बंद

बसें चांगोटोला तक सीमित; 1 जून से 4 जुलाई तक कुल 206 मिलीमीटर बारिश

बालाघाट। राष्ट्रबाण

बालाघाट जिले में 24 घंटे में 11 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। 1 जून से 4 जुलाई तक कुल 206 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। यह पिछले साल की तुलना में 47 मिलीमीटर अधिक है। नेशनल हाईवे 543 पर दंडई नाला उफान पर होने से बालाघाट-नैनपुर मार्ग बंद हो गया है। बसें अब केवल चांगोटोला तक ही चल रही हैं। वैनगंगा नदी में जलस्तर बढ़ने से परसवाड़ा क्षेत्र में तीनगढ़ी-सकरी मार्ग भी बंद है। एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि दोनों मार्गों पर आवागमन रोकने के लिए ग्राम कोटवार तैनात किए गए हैं। बस संचालक श्याम कौशल के अनुसार, बालाघाट-केवलारी मार्ग पर भी संगम नदी में तेज बहाव के कारण बस सेवाएं रोक दी गई हैं।

कटंगी, खैरलांजी और तिरोड़ी तहसील में बारिश नहीं

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश का आंकड़ा अलग-अलग है। परसवाड़ा में सबसे अधिक 38 मिलीमीटर, बैहर में 28 मिलीमीटर, लालबर्रा में 17 मिलीमीटर और बिरसा में 14 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। वारासिवनी में 5 मिलीमीटर, किरनापुर में 3 मिलीमीटर और बालाघाट तहसील में 2 मिलीमीटर बारिश हुई। कटंगी, खैरलांजी और तिरोड़ी तहसील में कोई बारिश नहीं हुई।

खड़ी में बस में अचानक लगी आग, बड़ा हादसा टला

बालाघाट। राष्ट्रबाण

अपने गंतव्य पर पहुँच कर खड़ी निजी ट्रेवल्स की बस अचानक धधक उठी, धू-धू कर जलती यात्री बस को बुझाने का प्रयास किया गया लेकिन तब तक वह आग का गोला बन चुकी थी।

आपको बता दें महाकाल बस सर्विस की एक सवारी बस बालाघाट से अपने गन्तव्य ग्राम चनई पहुँची। जहां उसे सड़क के किनारे खड़ी कर ड्राइवर, कंडक्टर अपने घर चले गए। जिसके बाद तकरीबन 11 बजे रात्रि में अचानक बस धू धू कर जलने लगी। ग्रामीणों के अनुसार बस में आग लगने के बाद बैटरी में जोर से विस्फोट हुआ, जिसकी आवाज सुनने के बाद लोग दौड़े, लोगों कुछ समझ पाते, या फिर कुछ कर पाते तब तक पूरी बस आग का गोला बन चुकी थी। गनीमत रही कि बस में कोई कर्मचारी सोया नही था, अन्यथा और किसी जनहानि से इनकार नही किया जा सकता था। फिलहाल अपने गंतव्य पर खड़ी बस में किस कारण आग लग पाई है, पता नही चल सका है, वहीं ग्रामीणों के अनुसार जिस जगह पर बस खड़ी थी उसी जगह पर बिजली का तार टूटा हुआ पाया गया, कयास ऐसे लगाया जा रहा कि बिजली करंट के कारण बस में आग लग गई होगी। किन्तु इस मामले पर बिजली विभाग का कहना रहा कि गांव के अंदर एल टी कनेक्शन है, जिससे बस में आग लग पाना सम्भव नही है, चूंकि बस के चारों टायर सेफ हैं। अगर बिजली के तारों से आग फैलती तो बस के टायर फट गए होते, वैसे भी एल टी लाइन में इस तरह से आगजनी सम्भव नही है। वहीं बिजली विभाग का कहना रहा कि आगजनी का कारण कुछ और हो सकता है। बहरहाल आग बिजली के तारों से फैली या फिर और भी कोई कारण है, स्पष्ट नही हो पाया है।

बालाघाट में फंदे से लटका मिला व्यापारी का शव

पंखे से दुपट्टा बांधकर किया सुसाइड, खाटूश्याम के दर्शन के लिए गई थीं मां

बालाघाट। राष्ट्रबाण

बालाघाट जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात एक करोड़पति कारोबारी ने आत्महत्या कर ली। जिले के मलाजखंड के पौनी निवासी शशांक पटले (30) ने अपने घर में पंखे से दुपट्टा बांधकर जान दे दी। शुक्रवार सुबह सबसे पहले उनकी नानी ने उन्हें फांसी पर लटका देखा।

मां खाटूश्याम के दर्शन के लिए गई थीं

मलाजखंड पुलिस को सूचना मिलते ही घटनास्थल की जांच की गई। मृतक शशांक परिवार के इकलौते बेटे थे। उनकी मां खाटूश्याम के दर्शन के लिए गई हुई हैं। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया है। एसडीओपी करण सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, क्योंकि

कमरे की कुंडी अंदर से बंद थी। पूछताछ में प्रेम प्रसंग का भी मामला सामने आया है। पुलिस मृतक के मोबाइल की फॉरेंसिक जांच करवाएगी।

2019 में पिता की एक्सीडेंट में हुई थी मौत

शशांक पटले के पिता गणेश पटले का 5 अगस्त 2019 में सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। तब से शशांक ही पूरे कारोबार को संभाल रहे थे।

कौशल विकास के लिए डिजिटल मित्र प्रशिक्षण हुआ प्रारंभ

बालाघाट। राष्ट्रबाण

हिंसा से ग्रसित एवं आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को मिलेगा डिजिटल सशक्तिकरण कार्ड सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च, एंड डेवलोपमेंट बालाघाट में 04 जुलाई 2025 को अशासकीय सामाजिक संस्था जीवन दान के सहयोग से डिजिटल मित्र कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से

हिंसा से प्रभावित महिलाओं एवं अन्य जरूरतमंद युवतियों के कौशल विकास और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखते हुए प्रारंभ किया गया है। इस दो माह की अवधि वाले निःशुल्क प्रशिक्षण में कुल 30 महिलाओं/युवतियों को शामिल किया गया है, जिनमें से 20 महिलाएं वन स्टॉप सेंटर बालाघाट से नामित की गई हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को कंप्यूटर ज्ञान प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार एवं डिजिटल क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर नवजीवन संस्थान द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को इंडक्शन किट का वितरण भी किया गया। यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बैहर एसडीएम ने जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश

नदी, नाला, तालाब, झरने एवं पानी के ऊफान वाले स्थलों में आमजन का जाना प्रतिबंधित किया गया

बालाघाट। राष्ट्रबाण

वर्षा ऋतु में बाढ़, पानी में डूबने या बहने या भू-स्खलन होने जैसी दुर्घटनाओं में जन हानि की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आमजन की सुरक्षा को देखते हुए राजस्व अनुविभाग बैहर के अंतर्गत नदी, नाला, तालाब, झरने एवं पानी के ऊफान वाले स्थलों में आमजन का जाना प्रतिबंधित किया गया है। इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया है कि 01 जुलाई से वर्षा ऋतु प्रारंभ हो गई है। इस दौरान अतिवर्षा होने पर नदी, नाले, तालाब, झरना तथा पानी के ऊफान वाले स्थलों पर बाढ़ आने की संभावना रहेगी। अतः राजस्व अनुभाग बैहर में बाढ़ एवं अतिवर्षा की स्थिति में नदी, नालों, तालाब, झरने एवं पानी के उफान वाले स्थलों पर आम जनों का जाना प्रतिबंधित रहेगा। कोई व्यक्ति भी बाढ़ की स्थिति में इन स्थलों के 100 मीटर के दायरे में प्रवेश नहीं करेगा। इसी प्रकार पहाड़ी स्थलों पर जहां भू-स्खलन या जमीन धसकने की संभावना हो, उसके 100 मीटर के दायरे में आमजन का प्रवेश वर्जित रहेगा। जन सुरक्षा की दृष्टि से किसी भी व्यक्ति के नदी, नाले, झरने, तालाब आदि में नहाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस आदेश का उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान में बालाघाट जिले को मिले 3 पुरस्कार

खेत-तालाब निर्माण में बिरसा जनपद ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया

बालाघाट। राष्ट्रबाण

मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारण्टी परिषद भोपाल द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बालाघाट जिले को प्रदेश स्तर पर 03 पुरस्कारों में चयनित किया गया है। कलेक्टर श्री मृणाल मीणा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में बालाघाट जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस अभियान के क्रियान्वयन की सतत निगरानी की। जिसके फलस्वरूप बालाघाट जिले के इस अभियान में 03 पुरस्कार प्राप्त हुए है। जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में 30 मार्च 2025 से प्रारंभ कर 30 जून 2025 तक चलाया गया है। इस अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण के लिए नवीन तालाबों का निर्माण, पुरानी बावड़ियों एवं जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार एवं साफ सफाई का कार्य किया गया है। इस अभियान में प्रदेश के सभी 55 जिलों में समग्र रूप से श्रेष्ठ कार्य करने में बालाघाट जिले ने 87.56 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया है। खण्डवा ने प्रथम एवं रायसेन ने द्वितीय स्थान हासिल किया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खेत तालाब निर्माण में श्रेष्ठ कार्य करने के लिए बी श्रेणी में बालाघाट जिले को प्रथम स्थान मिला

है। बी श्रेणी में उन जिलों को शामिल किया गया है जिनमें 05 या उससे अधिक जनपद पंचायत है। 05 से कम जनपद पंचायत वाले ए श्रेणी के जिलों में अनूपपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विकासखंड स्तरीय पुरस्कार के अंतर्गत ए श्रेणी की जनपद पंचायतों में बालाघाट जिले की बिरसा जनपद पंचायत में प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। ए श्रेणी में उन जनपद पंचायतों को शामिल किया गया है जिनमें ग्राम पंचायतों की संख्या 70 या उससे कम है। 71 या उससे अधिक ग्राम पंचायतों वाली जनपद पंचायतों को बी श्रेणी में रखा गया था और इसमें अनूपपुर जिले की पुष्पराजगढ़ जनपद पंचायत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बालाघाट जिले को मनरेगा में 3900 खेत-तालाब निर्माण का लक्ष्य दिया गया था। इस लक्ष्य के विरूद्ध जिले में 4875 खेत-तालाब के कार्य शुरू करवाए गए है जो निर्धारित लक्ष्य का 125 प्रतिशत है। खेत तालाब निर्माण में 110 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई है। इसी प्रकार कूप रिचॉर्ज में 1200 का लक्ष्य दिया गया था, इस लक्ष्य के विरूद्ध 1400 कूप रिचॉर्ज का काम किया गया है और 03 करोड़ 23 लाख रुपये की राशि व्यय की गई है। जिले को इस अभियान में 25 अमृत सरोवर निर्माण का लक्ष्य दिया गया था, इसके विरूद्ध 36 अमृत सरोवर के कार्य कराए गए है। इस अभियान में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 4100 जलदूत नियुक्त करने का लक्ष्य दिया गया था। इस लक्ष्य के विरूद्ध जिले में 12 हजार जलदूत नियुक्त किये गए है। जल गंगा संवर्धन अभियान में खेत तालाब में 125 प्रतिशत, कूप रिचार्ज में 118 प्रतिशत, अमृत सरोवर में 144 प्रतिशत तथा जलदूत 295 प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने पर बालाघाट जिले को प्रदेश में 03 पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है।

जिला न्यायाधीश ने जिला जेल बालाघाट का किया निरीक्षण

बालाघाट। राष्ट्रबाण

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट श्री प्राणेश कुमार प्राण द्वारा 04 जुलाई को जिला जेल बालाघाट का निरीक्षण किया गया एवं वहॉ की व्यवस्था को देखा गया। इस दौरान जिला जेल बालाघाट के समस्त वार्डो में निरूद्ध बंदियों से चर्चा की गई तथा जेल में शौचालय, पेयजल व्यवस्था, बंदियों की भोजन व्यवस्था व उसकी गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। साथ ही बंदियों के लिए उपलब्ध चिकित्सीय सुविधा एवं जेल में उपलब्ध दवाईयों एवं वीडियों कान्फ्रेसिंग सुविधा के संबंध में जानकारी ली गई। प्रधा जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा महिला वार्ड

में महिला बंदियों को जमानत संबंधी प्रावधानों के बारे में जानकारी भी दी गई। साथ ही भोजन वितरण के समय बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता में सुधार किये जाने के निर्देश दिये गए। इस अवसर पर न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट श्री सतीश शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अविनाश छारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीतेन्द्र मोहन धुर्वे एवं जेल अधीक्षक श्री रामलाल सहलाम उपस्थित रहें।

सहकारिता में युवाओं के लिए अवसर व्याख्यान संपन्न

बालाघाट। राष्ट्रबाण

कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में अंतराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत 04 जुलाई को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट, उपायुक्त सहकारिता बालाघाट, जिला सहकारी संघ बालाघाट के बैनर तले टैगोर मोंटेसरी इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल में सहकारिता क्षेत्र में युवाओ के लिए अवसर विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर श्री राजेश उइके उपायुक्त सहकारिता बालाघाट, पी. जोशी प्र. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बालाघाट, राजेश नागपुर फील्ड अधिकारी द्वारा सहकारिता क्षेत्र में युवाओ के लिए अवसर पर उपस्थित छात्र, छात्राओं को आवश्यक जानकारी से अवगत कराया गया। इस दौरान श्रीमती संध्या सिरसाठे प्राचार्य टैगोर मोंटेसरी स्कूल बालाघाट, श्री मुकेश दुबे प्रबंधक जिला सहकारी संघ बालाघाट, नीरज बिसेन सहकारी प्रशिक्षु, स्कूल के छात्र छात्राएं एवं टीचर स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का आभार सारंग बिसेन बैंक कर्मचारी द्वारा किया गया।

बैठक में मप्र कृषि विस्तार अधिकारी संघ, मप्र राज्य कर्मचारी संघ के माध्यम से एजेण्डा उपलब्ध कराया गया

कृषि विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक हुई संपन्न

बालाघाट। राष्ट्रबाण

किसान कल्याण तथा कृषि विकास के सभाकक्ष में 04 जुलाई को परामर्सदात्री समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मप्र कृषि विस्तार अधिकारी संघ, मप्र राज्य कर्मचारी संघ के माध्यम से एजेण्डा उपलब्ध कराया गया। बैठक में उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय, सहायक संचालक कृषि श्री विनय धुर्वे, जिला अध्यक्ष मप्र शासकीय कर्मचारी संघ डी.के.खंण्डेलकर, श्री सुनील मेश्राम प्रान्तीय सचिव मप्र

शिक्षक कांग्रेस, श्री सजल मस्की जिला अध्यक्ष मप्र कर्मचारी कांग्रेस, श्री जितेन्द्र नकाशे ब्लॉक अध्यक्ष राज्य.कर्म.संघ, श्री राजेश्वर पाटिल, श्री पीके भालेराव कृ.वि.अधिकारी आदि उपस्थित रहें। बैठक में रबी वर्ष 2024-25 में वितरित चना प्रदर्शन, नगद बीज वितरण के अनुदान शीघ्र किसानों के खाते में डालने, कृषि विस्तार अधिकारियों की कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में परीक्षा में ड्यूटी न लगाने, पदोन्नति के लिए वरिष्ठता सूची को सहीं एवं सुधार करने के संबंध में, शेष कृषि विस्तार अधिकारियों के मोबाईल की शेष 04 हजार रुपये की राशि देने एवं जिन अधिकारियों को सिम प्राप्त नहीं हुई है उन्हें सिम उपलब्ध कराने के साथ ही वर्ष 2023-24 में कृषि विस्तार अधिकारियों की नियुक्ति हुई है उन्हें एरियर्स दिये जाने के संबंध में चर्चा की गयी।

मप्र कर्मचारी कांग्रेस संघ के माध्यम से प्राप्त एजेण्डा में 01 अप्रैल 2025 की स्थिति में भृत्य, लिपिक, अधिकारी कर्मचारी की वरिष्ठता सूची अपग्रेड करने, अधिकारी कर्मचारी की सेवा पुस्तिका 01 अप्रैल 2025 की स्थिति में अपग्रेड करने के संबंध में एवं कार्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने के लिए निवेदन किया। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय द्वारा सभी बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी।

बालाघाट एवं लालबर्रा में जल स्त्रोतों का किया गया क्लोरिनेशन

बालाघाट। राष्ट्रबाण

जल जनित बीमारियों से बचाव के लिये लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट द्वारा डायरिया रोको अभियान के अंतर्गत निरंतर जल स्त्रोतों के क्लोरिनेशन के कार्य किये जा रहे है। इसी कड़ी में 04 जुलाई को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री एवं उपयंत्री द्वारा बालाघाट के परसवाड़ा एवं लालबर्रा के ग्राम सुकड़ी, भीड़ी, निलजी मे डायरिया रोको अभियान के तहत सभी जल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन किया गया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की टीम द्वारा ग्रामवासियों को जल जनित बीमारियों के संक्रमण से बचने के लिए निरंतर समझाईश दी

जा रही है। जिसमें विभाग द्वारा बताया जा रहा है कि हमेशा साफ व स्वच्छ जल का ही सेवन करे। अपने आस-पास आवश्यक रूप से स्वच्छता बनाए रखे। साथ ही जल स्त्रोत कुएं, तालाब व हैण्डपम्प के आस-पास भी किसी तरह की गंदगी न होने दे। मक्खी एवं मच्छर न पनपने दे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 5 जुलाई 2025

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

चल रहा अवैध कॉलोनाइजरों का जोर, संरक्षण दे रहे एसडीएम घंसौर

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज हुए 214 दिन गए बीत ,जिम्मेदार अधिकारी कमीशन रूपी लोरी के सुन रहे गीत ?

- सिक्को की खनक के आगे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशों की उड़ाई जा रही सरेआम धज्जियां ?
- संजीत सिंह बघेल द्वारा सिवनी जिला कलेक्टर के समक्ष भी, जनसुनवाई में की जा चुकी है शिकायत दर्ज़ ।
- धनोरा तहसीलदार ने पाया है जांच में अवैध कॉलोनी, घंसौर एसडीएम कार्यालय में धूल चाट रही शिकायत ।
- आज भी धड़ल्ले से जारी है अवैध कॉलोनी के प्लाटों का विक्रय एवं नामांतरण ?

अवैध कालोनी का जंगल राज।

सिवनी। राष्ट्रबाण

मध्य प्रदेश में बनी अवैध कॉलोनियों पर डॉ. मोहन यादव सरकार ने सख्त रवैया अपना रखा है । अनेक स्थानों पर अवैध निर्माणों पर बुलडोजर एक्शन जारी है। राजधानी भोपाल में इस मामले पर सबसे ज्यादा सख्ती देखने को मिली है। किंतु वहीं प्रतीत होता है, मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में ज़िला प्रशासन में पदस्थ ज़िम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री की मंशा के विपरीत अवैध कॉलोनी एवं उन्हें बसाने वाले कालोनाइजरो पर अंकुश लगाने की जगह , उल्टा उन्हें संरक्षण देकर पूरे जिले में अवैध कॉलोनीयो का मकड़ जाल फैलाया जा रहा है ।

मय प्रमाण शिकायत करने के बावजूद अवैध कॉलोनी एवं कॉलोनाइजरों के खिलाफ ठोस कार्यवाही नहीं की जा रही है, उल्टा कागजों में खाना पूर्ति के लिए अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अपनी कृषि भूमि के छोटे-छोटे भूखंडों का विक्रय करने वाले, विक्रेताओं पर कार्यवाही कर जिला प्रशासन वाहवाही लूटने में मस्त नजर आ रहा है। इसका ताजा प्रमाण सिवनी जिले की धनौरा तहसील मुख्यालय में देखने को मिल रहा है, जहां पर धनौरा - कहानी मुख्य मार्ग पर एक बहुत बड़े भू भाग में अवैध कॉलोनी बसाकर, खसरा नंबर 48 एवं 48/2 के भूमि स्वामियों द्वारा अपनी कृषि भूमि को नियम विरुद्ध छोटे-छोटे 61 भूखंडों में विक्रय (अवैध प्लाटिंग) किया जा चुका है और उसका राजस्व विभाग के ज़िम्मेदार अधिकारियों द्वारा उसका नामांतरण भी किया जा चुका है । यहां पर उल्लेखनीय होगा कि केवलारी निवासी पत्रकार संजीत सिंह बघेल द्वारा मय प्रमाण लिखित एवं सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज लगभग 214 दिनों से अधिक होने के उपरांत भी उक्त अवैध कॉलोनी बसाने वाले कालोनाइजर को ज़रा भी भय नहीं है और उल्टा वह ज़िम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों की नाक के नीचे बेख़ौफ़ होकर धड़ल्ले से , नियम कानूनों को अपनी जूतों को नोक पर रखकर अवैध प्लाट का विक्रय कर रहा हैं, एवं उनमें से कुछ का बाकायदा नामांतरण भी जारी है । जबकि सीएम हेल्पलाइन की शिक़ायत जिसका क्रमांक 30025706. है दिनांक 13/02/2025 को धनौरा तहसीलदार द्वारा शिक़ायत की जांच कर उल्लेख किया है कि शिकायतकर्ता की शिकायत के संबंध में ग्राम धनौरा प0ह0नं0 17 में स्थित भूमि ख0नं0 48 एवं 48/2 के छोटे-छोटै भूखंडो के विक्रय के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई है, उक्त संबंध में हल्का पटवारी से जांच कराई गई जिसमें हल्का पटवारी द्वारा प्रतिवेदित किया कि ग्राम धनौरा प0ह0नं0 17 स्थित भूमि ख0नं0 48 एवं 48/2 के छोटे-छोटै भूखंडो को सचिन पटेल पि0 गोकुल प्रसाद जा0 कुर्मी के द्वारा 61 बटांकन कर छोटे-छोटै भूखंडो में विक्रय किया गया है जिस संबंध में मौके पर विक्रेता के द्वारा वैध कालोनी होने के संबंध में कोई दस्तावेज पेश नही किये गया जिसके संबंध में कार्यालय तहसीलदार धनौरा के पत्र क्रमांक 583/री0 तह0/2025 धनौरा दिनांक 10/01/2025 के माध्यम से जानकारी श्रीमान अनु0वि0अ0 महोदय घंसौर को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की गई है। इसके बावजूद आज दिनांक तक घंसौर एसडीएम द्वारा उक्त शिक़ायत पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है जिससे प्रतित होता है कि शायद उक्त अवैध कॉलोनी में घंसौर एसडीएम का भी हिस्सा तय होगा, तब ही तो वह अपने कर्तव्यों का पालन न करते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के विपरीत अवैध कॉलोनी पर कार्यवाही के स्थान पर शिक़ायत की फाइल दबा कर, उन्हें संरक्षण देने का कार्य कर रहे हैं।

बिसन सिंह ठाकुर, घंसौर एसडीएम : भूमाफियाओं के आगे नतमस्तक!

कार्यालय एसडीएम घंसौर, दबाई जा रही भूमाफियाओं की शिकायत।

संजीत सिंह बघेल
शिकायतकर्ता : आखिर कार्यवाही कब?

सुश्री संस्कृति जैन
कलेक्टर :अब आप से कार्यवाही की उम्मीद।

सिवनी जिले की संवेदनशील जिला कलेक्टर से छुपाई जा रही है जानकारी?

नाम न सार्वजनिक करने की शर्त पर कार्यालय सिवनी जिले कलेक्टर में पदस्थ ईमानदार बाबुओं ने हमें बताए इन अवैध कालोनियों की पूर्ण जानकारी सिवनी जिले की संवेदनशील जिला कलेक्टर महोदया से छिपाई जा रही है और मय प्रमाण हो रही शिकायतों को भी कुछ बाबुओं द्वारा बड़ी आसानी से वही दबा दिया जा रहा है। जिससे प्रदेश के मुख्यमंत्री की मंशा में पानी फिरता दिख रहा है ,एवं जिले की संवेदनशील कलेक्टर महोदया की साफ सुथरी छवि पर बट्टा लग रहा है। अब देखना बड़ा दिलचस्प होगा की मामला सार्वजनिक होने के बाद उक्त अवैध कॉलोनी एवं उन्हें बसाने वाले कालोनाइजरो के खिलाफ कार्यवाही की जाती है या नोटों की गड्डी के आगे यह क्रम निरंतर चलता है यह तो समय की गर्त में क्षिपा है ।

इनका कहना है

मेरे द्वारा दिनांक 26/11/2024 को जनसुनवाई के माध्यम से सिवनी जिला कलेक्टर महोदया के समक्ष उपस्थित होकर मय प्रमाण लिखित शिकायत दर्ज करवाई गई है। इसके उपरांत दिनांक 03/12/2024 को मध्य प्रदेश शासन की सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज करवाई गई है ,जिसका क्रमांक 30025706 है जिसको आज 214 दिनों से अधिक हो गया है, किंतु उक्त शिक़ायत पर घंसौर एसडीएम महोदय द्वारा कार्रवाई नहीं की जा रही है । प्रतीत होता है उक्त अवैध कॉलोनी में इनका भी कुछ हिस्सा तय है या उनके द्वारा शिकायत पर कार्रवाई न करने की ऐवज में पैसे लिए गए होंगे ।

– पत्रकार संजीत सिंह बघेल शिकायतकर्ता ।

धनोरा तहसीलदार ने जांच में पाया है अवैध कॉलोनी का निर्माण

सीएम हेल्पलाइन की शिक़ायत में दिनांक 13/02/2025 को धनौरा तहसीलदार द्वारा शिक़ायत की जांच कर उल्लेख किया है कि शिकायतकर्ता की शिकायत के संबंध में ग्राम धनौरा प0ह0नं0 17 में स्थित भूमि ख0नं0 48 एवं 48/2 के छोटे–छोटै भूखंडो के विक्रय के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई है, उक्त संबंध में हल्का पटवारी से जांच कराई गई जिसमें हल्का पटवारी द्वारा प्रतिवेदित किया कि ग्राम धनौरा प0ह0नं0 17 स्थित भूमि ख0नं0 48 एवं 48/2 के छोटे–छोटै भूखंडो को सचिन पटेल पि0 गोकुल प्रसाद जा0 कुर्मी के द्वारा 61 बटांकन कर छोटे–छोटै भूखंडो में विक्रय किया गया है जिस संबंध में मौके पर विक्रेता के द्वारा वैध कालोनी होने के संबंध में कोई दस्तावेज पेश नही किये गया जिसके संबंध में कार्यालय तहसीलदार धनौरा के पत्र क्रमांक 583/री0 तह0/2025 धनौरा दिनांक 10/01/2025 के माध्यम से जानकारी श्रीमान अनु0वि0अ0 महोदय घंसौर को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की गई है। इसके बावजूद आज दिनांक तक घंसौर एसडीएम द्वारा उक्त शिक़ायत पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है जिससे प्रतित होता है कि शायद उक्त अवैध कॉलोनी में घंसौर एसडीएम का भी हिस्सा तय होगा, तब ही तो वह अपने कर्तव्यों का पालन न करते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के विपरीत अवैध कॉलोनी पर कार्यवाही के स्थान पर शिक़ायत की फाइल दबा कर, उन्हें संरक्षण देने का कार्य कर रहे हैं।

वर्षा ऋतु में वाहन संचालन के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका को लेकर एडवाइजरी जारी

सिवनी। राष्ट्रबाण

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सिवनी द्वारा वर्षा ऋतु में वाहन संचालन के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका के मद्देनजर रोकथाम एवं बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सिवनी द्वारा जारी एडवाइजरी अनुसार जलमग्न पुल-पुलियों या रपटों पर किसी भी स्थिति में वाहन न चलाये जाए, वाहनों की तकनीकी फिटनेस की पूर्व जांच कर उन्हें ही संचालन मे लाएं, वाहनों में ओवरलोडिंग पूर्णतः वर्जित रहेगी। गीली सड़कों पर गाड़ी चलाते समय गति कम रखें और अचानक मुड़ने या ब्रेक लगाने से बचें। आगे चल रहे वाहन से सुरक्षित दूरी बनाएं रखें ताकि अचानक ब्रेक लगाने की आवश्यकता पड़ने पर पर्याप्त समय मिल सके। बारिश में विंडशील्ड वाइपर का उपयोग करें और सुनिश्चित करें कि आपकी हेडलाइट्स और टेललाइट्स ठीक से काम कर रही हैं। टायरों में पर्याप्त हवा भरें और उनकी स्थिति की जांच करें ताकि फिसलन से बचा जा सके। बारिश में गाड़ी चलाते समय अन्य वाहनों और पैदल चलने वालों के प्रति जरूरी सावधानी बरतें। बारिश में अपने वाहन की हेडलाइट्स को चालू रखें ताकि दृश्यता बनी रहे। गीली सड़कों पर गाड़ी चलाते समय गति कम रखे और अचानक मुड़ने या ब्रेक लगाने से बचें।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

सिवनी। राष्ट्रबाण

सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सिवनी द्वारा जानकारी देकर बताया गया कि परतापुर रोड प्रधानमंत्री एक्सीलेंस महाविद्यालय सिवनी के पास संचालित पिछडा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास में पिछडा वर्ग के विद्यार्थी जो महाविद्यालय में अध्ययनरत हैं। इच्छुक विद्यार्थियों से छात्रावास में प्रवेश के लिए आवेदन 20 जुलाई 2025 तक अमांत्रित किये गए हैं।

उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र कार्यालय, पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग कलेक्ट्रेट परिसर सिवनी अथवा पिछडा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास परतापुर रोड सिवनी से प्राप्त किया जा सकता है।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री बैठक संपन्न

सिवनी। राष्ट्रबाण

कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन की अध्यक्षता में शुक्रवार 4 जुलाई को जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर सुश्री जैन ने विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से परिचय लेकर प्रतिनिधियों से वन टू वन चर्चा की गई एवं बिंदुवार समस्या के निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर द्वारा सभी संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा दिये गये सुझावों को गंभीरता से सुना एवं उपस्थित अधिकारियों को सुझावों पर अमल करने की निर्देश दिए। बैठक में कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका अपडेट, वेतन विसंगति, डीए एरियर, क्रमोन्नति, समयमान वेतनमान सहित अन्य संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई एवं निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने एनपीएस कटौती के क्रेडिट न होने की समस्या को लेकर कार्यालय प्रमुख के माध्यम से स्टेटमेंट कोषालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

कलेक्टर सुश्री जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का गोपनीय प्रतिवेदन हर वर्ष समय पर भेजा जाए। कलेक्टर सुश्री जैन ने शिक्षक संगठन द्वारा शिक्षकों की सर्विस बुक न दिखाए जाने की समस्या को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी को संकुल स्तर पर शिविर आयोजित कर समस्या का निदान करने के निर्देश दिये हैं।

स्वच्छता पर्व के रूप में मनाया गया जन अभियान परिषद का स्थापना दिवस

उत्कृष्ट कार्य पर प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

सिवनी। राष्ट्रबाण

म.प्र.जन अभियान परिषद के तत्वाधान में आज परिषद के 29 वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्थानीय क्षेत्रीय ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र बींझावाडा के सभाकक्ष में स्वैच्छिकता पर्व के रूप मे मनाया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जन अभियान परिषद के पूर्व जिला उपाध्यक्ष श्री सुजीत जैन,स्वदेशी जागरण मंच के विभाग संयोजक सुनील मालू,जलजीवन मिशन के धर्मेन्द्र मिश्रा,प्रशिक्षण संस्थान के विनोद सिंह, रविन्द्र पाल एवं म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सौरभ शुक्ला प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं भारत माता के तैलचित्र पर माल्यार्पण के साथ प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सुजीत जैन ने अपने संबोधन में परिषद के कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा कि जन अभियान परिषद संपूर्ण म.प्र.में स्वैच्छिक प्रयासों का एक साझा मंच है। जिससे जुडे असंख्य कार्यकर्ता प्रदेश के विकास में सकारात्मक गतिविधियों में सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहते है। और इसके सार्थक परिणाम भी प्राप्त हुए है। उन्होने उपस्थित प्रतिभागियों से आव्हान किया कि प्रदेश शासन की जन हितैषी कार्यक्रमों और योजनाओं को आम जनता को लाभ पहुंचाने में सहयोग करें तथा प्रदेश के विकास में अपनी सहभागिता निभाएं।

जिला स्तरीय हितलाभ वितरण कार्यक्रम प्रभारी मंत्री वर्मा के मुख्यातिथ्य में हुआ आयोजित

1492 स्कूली बच्चों को मिले लेपटॉप के पैसे

सिवनी। राष्ट्रबाण

प्रदेश शासन के राजस्व मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार 04 जुलाई को सांदीपनि विद्यालय छपारा में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना का जिलास्तरीय हितलाभ वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले जिले के 1492 विद्यार्थियों को 25 हजार रुपये की राशि लैपटॉप क्रय करने के लिये उनके बैंक खाते में अंतरित हुई। कार्यक्रम में विधायक दिनेश राय, विधायक रजनीश सिंह ठाकुर, विधायक कमल मर्सकोले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डेहरिया, जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन, कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन, पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार मेहता सहित अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्यजन और स्कूली छात्र- छात्राओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को संबोधित कर प्रभारी मंत्री वर्मा ने कहा की शासन की महत्वपूर्ण योजना द्वारा प्रदेश के 94 हजार से अधिक प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को लैपटॉप प्रदान किया जाना निश्चित रूप से हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा की शासन के इस प्रोत्साहन से बच्चे नवीन तकनीक से जुड़कर ओर बेहतर रूप से अध्ययन कर सकेंगे। प्रभारी मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए है, नवीन शिक्षा नीति के बाद शिक्षा का स्तर में भी परिवर्तन आया है। प्रभारी मंत्री श्री वर्मा कहा कि प्रत्येक ग्राम तक पक्की सड़क और प्रत्येक घर तक बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं की पहुँच हो, इस उद्देश्य से प्रदेश सरकार कार्य कर रही है। प्रभारी मंत्री श्री वर्मा ने प्रदेश में राजस्व विभाग में आम नागरिकों की सुविधा के लिए किये जा रहे नवाचारों को विशेष रूप से रेखांकित किया।

आयोजित कार्यक्रम में सभी के द्वारा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में भोपाल में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम को देखा एवं सुना गया।

गिफ्ट अ डेस्क पहल की सराहना की

प्रभारी मंत्री श्री वर्मा ने जिलें के प्रत्येक प्राथमिक शासकीय विद्यालय में डेस्क– बेंच की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा दानदाताओं के सहयोग से चलाई जा रही गिफ्ट अ डेस्क पहल की सराहना कर स्वयं 20 हजार रुपये का सहयोग करने की बात की। विधायक दिनेश राय ने लाभान्वित हुए विद्यार्थियों को बधाई देकर भविष्य में भी पूरे जी जान से मेहनत कर अपने और अपने माता पिता के सपने को साकार करने के लिए प्रेरित की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में छात्र–छात्राओ की बेहतर शिक्षा के अधोसंरचना के साथ ही सभी जरूरी इंतजाम किए गए है। विधायक कमल मर्सकोले ने कहा कि स्कूली शिक्षा के उन्नयन की दिशा में स्कूल– कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने प्रत्येक जरूरतमंद बच्चे की सुविधा एवं प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति, साइकल व्यवस्था, लेपटॉप दिया जा रहा है। विधायक श्री मर्सकोले ने उपस्थित बच्चों को मेहनत कर अपने लक्ष्य को पाने के लिये प्रेरित किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433